सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 54 | जौनपुर, शुक्रवार, 11 अक्टूबर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

उमर अब्दुल्ला को नेशनल कांफ्रेंस विधायक दल का नेता चुना गया

जम्मू–कश्मीर, एजेंसी। उमर अब्दुल्ला को सर्वसम्मति से नेशनल कांफ्रेंस का विधायक दल का नेता चुन लिया गया। पार्टी के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने यहां यह जानकारी दी। फारूक ने कहा, "पार्टी के विधायक दल की बैठक हुई, जिसमें उमर अब्दुल्ला को सर्वसम्मति से दल का नेता चुना गया। उन्होंने कहा कि सरकार गठन की प्रक्रिया को लेकर आगे बढ़ने के लिए चुनाव पूर्व गठबंधन के साझेदारों की बैठक होगी। इससे पहले नेशनल कांफ्रेंस के नवनिर्वाचित विधायकों ने जम्मू–कश्मीर विधानसभा में अपना नेता चुनने के लिए पार्टी के मुख्यालय नवा– ए– सुबह में बैठक की। विधायक दल का नेता ही संभवतः मुख्यमंत्री होगा।

नेशनल कांफ्रेंस ने हाल में संपन्न चुनाव में 42 जबकि उसके गठबंधन साझेदारों कांग्रेस ने छह और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने एक सीट जीती है। इस तरह 95 सदस्यीय विधानसभा में गठबंधन को बहुमत हासिल हुआ है। विधायकों की बैठक पार्टी के अध्यक्ष और उमर अब्दुल्ला के पिता फारूक अब्दुल्ला ने बुलाई थी।

पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन आसियान देशों के साथ संबंधों को और गहरा करने का अवसर – पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्वास जताया कि आसियान–भारत और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलनों में भाग लेने के लिए लाओस की उनकी यात्रा आसियान देशों के साथ संबंधों को और गहरा करेगी। लाओस रवाना होने से पहले अपने जारी एक बयान में मोदी ने कहा कि भारत इस साल "एक्ट ईस्ट" नीति का दशक पूरा कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, "मैं आसियान नेताओं के साथ हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी में प्रगति की समीक्षा करूंगा और हमारे सहयोग की भविष्य की दिशा तय करूंगा।" उन्होंने कहा कि पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन हिंद–प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए चुनौतियों पर विचार–विमर्श करने का अवसर प्रदान करेगा। मोदी ने कहा कि लाओस जनवादी लोकतान्त्रिक गणराज्य (लाओ पीडीआर) समेत क्षेत्र के साथ भारत के करीबी, सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंध हैं जो बौद्ध धर्म और रामायण की साझा विरासत से समृद्ध हैं। उन्होंने कहा, "मैं लाओ पीडीआर नेतृत्व के साथ अपनी बैठकों को लेकर आशान्वित हूं ताकि हमारे द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत किया जा सके।"

केंद्रीय गृह मंती अमित शाह ने दी रतन टाटा को अंतिम विदाई

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुंबई में रतन टाटा को अंतिम श्रद्धांजलि दी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने मुंबई में रतन टाटा को अंतिम श्रद्धांजलि दी। टाटा समूह के पूर्व अध्यक्ष टाटा, जिन्होंने एक प्रतिष्ठित समूह को भारत के सबसे बड़े और सबसे प्रभावशाली समूह में बदल दिया, ने बुधवार रात मुंबई में अंतिम सांस ली। शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे के साथ आदित्य ठाकरे, अनिल देसाई और अरविंद सावंत ने मुंबई में रतन टाटा को अंतिम श्रद्धांजलि दी। आज एक कार्यक्रम में अमित शाह ने कहा कि श्री रतन टाटा का कल निधन हो गया। मैं उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। वह न केवल भारत बल्कि विश्व के प्रतिष्ठित उद्योगपति थे। उन्होंने ऐसे समय में टाटा समूह का नेतृत्व संभाला जब टाटा समूह के लिए बदलाव करना महत्वपूर्ण था। उन्होंने टाटा ग्रुप के काम करने के तरीके और कई व्यवसायों को बदल दिया। शाह ने कहा कि रतन टाटा जी के नेतृत्व में बिजनेस ग्रुप ने शिक्षा और कैंसर के इलाज सहित कई अन्य क्षेत्रों में बहुत काम किया। रतन टाटा की विरासत उद्योग जगत में लोगों का मार्गदर्शन करेगी। महान उद्योगपति रतन टाटा को यहां राष्ट्रीय प्रदर्शन कला केंद्र में बृहस्पतिवार कोश्रद्धांजलि देने के लिए एकत्र हुए छात्रों और युवाओं के लिए, वह सिर्फ एक उद्योगपति ही नहीं थे बल्कि मानवीय मूल्यों के एक जीवंत प्रतीक और एक आदर्श व्यक्ति थे जो परोपकार और पशुओं के प्रति अपने प्रेम के लिए भी जाने जाते थे। महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने एक प्रस्ताव पारित किया है जिसमें केंद्र सरकार से दिवंगत उद्योगपति रतन टाटा को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किए जाने का अनुरोध किया गया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में दिग्गज उद्योगपति को श्रद्धांजलि दी गई।

बंगाल में महिलाओं के साथ हो रही क्रूरता - जेपी नड्डा

कोलकाता, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पश्चिम बंगाल में हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल के कोलकाता में संतोष मित्रा स्क्वायर पूजा पंडाल में नवरात्रि के शुभ अवसर पर माँ दुर्गा की पुजा अर्चना की। इसके बाद नड्डा ने विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों के साथ बातचीत भी की। इस दौरान नड्डा ने कहा कि मां दुर्गा करुणा और शक्ति की प्रतीक हैं। लेकिन जब मैं बंगाल आता हूं और यहां महिलाओं के साथ हो रही क्रूरता देखता हूं, तो मैं मां दुर्गा से विशेष प्रार्थना करता हूं कि यहां जो सत्ता में बैठे हैं उनके मन में करुणा आए और हम यहां हो रहे अन्याय के खिलाफ लड़ सकें। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि अभी 2 दिन पहले हरियाणा के चुनाव में हमें जीत हासिल हुई। उन्होंने कहा कि शारदीय नवरात्रों में मां दुर्गा की ये कृपा रही कि जिस प्रकार झूठ फैलाया जा रहा था, समाज को बांटने और तोड़ने का काम किया जा रहा था,

तुष्टिकरण और वोटबैंक की राजनीति की जा रही थी, युवाओं और महिलाओं को भ्रमित करने और किसानों को भड़काने की कोशिश की जा रही थी, इन सबका जवाब हरियाणा और जम्मू–कश्मीर की जनता ने भरपूर तरीके से दिया है। उन्होंने दावा किया कि जम्मू–कश्मीर में भाजपा ने अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन किया है। 29 सीटों के साथ पिछली बार से ज्यादा वोट शेयर हमें मिला है। राष्ट्रवादी ताकतें वहां मजबूत हो रही हैं। नड्डा ने दावा किया कि बंगाली भाषा को शास्त्रीय भाषा बनाने का काम प्रधानमंत्री मोदी जी ने किया है। आपको जानकर खुशी होगी कि बंगाली भाषा देश में दूसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली और विश्व में सातवें नंबर पर सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत बनाने का यूनेस्को से मान्यता दिलाने का काम प्रधानमंत्री मोदी जी ने किया है। उसी तरीके से शांति निकेतन को विश्व धरोहर स्थल की मान्यता मिलने का काम भी प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में हुआ है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि तृणमूल संस्कृति श्खतरा संस्कृतिश बन गयी है। गुंडागर्दी, गुंडागर्दी और कट मनी संस्कृति टीएमसी का पर्याय बन गई है। लोग हकीकत जानते हैं और मुझे यकीन है कि वे टीएमसी को कड़ा सबक सिखाएंगे!

सपा और कांग्रेस का गठबंधन बरकरार रहेगा – अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि उनकी पार्टी और विपक्ष के 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) की सहयोगी कांग्रेस का गठबंधन बरकरार रहेगा। उत्तर प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। सपा द्वारा बुधवार को इनमें से छह सीटों के लिये उम्मीदवार घोषित किये जाने के बाद सपा और कांग्रेस के गठबंधन के बरकरार रहने को लेकर उठ रही आशंकाओं के बीच अखिलेश का यह बयान महत्वपूर्ण माना जा सकता है। कांग्रेस से गठबंधन जारी रहने की सम्भावनाओं के बारे में पूछे जाने पर कहा, "आज समय नहीं है इस पर चर्चा का। मगर जहां तक इंडिया गठबंधन का सवाल है तो मैं कहना चाहूंगा कि सपा और कांग्रेस का गठबंधन रहेगा। सपा ने हरियाणा विधानसभा

चुनाव में कांग्रेस की पराजय के एक दिन बाद बुधवार को उपचुनाव वाली 10 में से छह सीटों फूलपुर, मझवां, करहल, कटेहरी, मिल्कीपुर और सीसामऊ पर अपने उम्मीदवार घोषित कर दिये। कांग्रेस उनमें से फूलपुर और मझवां सीटों पर दावेदारी कर रही थी। ऐसे में सपा और कांग्रेस के गठबंधन को लेकर तरहकृतरह की अटकलें लगायी जा रही थीं। सपा और कांग्रेस ने 'इंडिया' के तहत पिछला लोकसभा चुनाव लड़ा था जिसमें बेहतर प्रदर्शन करते हुए सपा ने उत्तर प्रदेश में 37 और कांग्रेस ने छह सीटों पर जीत हासिल की थी। हरियाणा चुनाव में कांग्रेस की हार के बारे में पूछे जाने पर यादव ने कहा, "हरियाणा चुनाव पर चर्चा अभी करना ठीक नहीं है। जब हम मिलेंगे तो चर्चा होगी।" उत्तर प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों कटेहरी (अंबेडकर नगर), करहल (मैनपुरी), मिल्कीपुर (अयोध्या), मीरापुर (मुजफ्फरनगर), गाजियाबाद, मझवां (मिर्जापुर), सीसामऊ (कानपुर नगर), खैर (अलीगढ़), फूलपुर (प्रयागराज) और कुंदरकी (मुरादाबाद) पर उपचुनाव होने हैं। हालांकि उपचुनाव का कार्यक्रम अभी घोषित नहीं हुआ है।

उद्योगपति टाटा का निधन भारतीय उद्योग और समाज के लिए अपूरणीय क्षति – ममता

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया और इसे भारतीय व्यापार तथा समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताया। बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "उनका निधन भारतीय व्यापार जगत और समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। एम. के स्टालिन ने टाटा को भारतीय उद्योग जगत का सच्चा रत्न और विनम्रता एवं करुणा का प्रतीक बताया। स्टालिन ने कहा, "उनके दूरदर्शी नेतृत्व ने न केवल टाटा समूह को आकार दिया, बल्कि नैतिक व्यावसायिक प्रथाओं के लिए एक वैश्विक मानदंड भी स्थापित किया। राष्ट्र निर्माण, नवाचार और परोपकार के प्रति उनके अथक समर्पण ने लाखों लोगों के जीवन पर अमिट छाप छोड़ी है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्र टाटा की विरासत को सदैव संजोकर रखेगा। मंत्रालय ने उन्हें एक दूरदर्शी नेता बताया। अभिनेता सलमान खान ने कहा कि वह रतन टाटा के निधन से बहुत दुखी हैं। अभिनेता राणा दग्गुबाती ने कहा कि रतन टाटा नेतृत्व, परोपकार और नैतिकता के प्रतीक थे और उनकी विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। अभिनेता रितेश देशमुख ने भी टाटा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनके जैसा व्यक्ति दोबारा पाना संभव नहीं है और वह उनके निधन से बहुत दुखी हैं। अभिनेत्री सिमी ग्रेवाल ने कहा कि इस क्षति को सहन करना बहुत कठिन है और उन्होंने टाटा को विदाई संदेश भेजा।

चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ की न्यायाधीशों को नसीहत, कहा- न्याय न केवल किया जाए बल्कि होते हुए भी दिखे

नई दिल्ली, एजेसी। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने एक कार्यक्रम में न्यायालयों के लोक लुभावन फैसलों को लेकर न्यायाधीशों को नसीहत दी। सीजेआई ने कहा कि न्यायाधीश सांवधानिक और कानूनी सवालों पर फैसला करते समय लोकप्रिय नैतिकता से मुक्त होकर काम करें। न्यायालयों की वैधता और विश्वसनीयता का आधार जनता का भरोसा है। इसलिए जब भी फैसले सुनाए जाएं तो यह ध्यान रखा जाए कि न्याय न केवल किया जाए, बल्कि होते हुए भी दिखना चाहिए। भूटान में जिग्मे सिंग्ये वांगचुक व्याख्यान में संबोधन के दौरान सीजेआई ने न्यायपालिका की विश्वसनीयता और अदालतों के संस्थागत विश्वास पर भी बात की। उन्होंने कहा कि भारतीय सुप्रीम कोर्ट को लोगों की अदालत होने पर गर्व है। अदालत लोगों के दैनिक जीवन से जुड़ी समस्याओं को भी दूर कर

रही है, इसलिए लोगों को विश्वास मायने रखता है। उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों से अपेक्षा की जाती है कि वे सांवधानिक या कानूनी प्रश्नों पर निर्णय लेते समय लोकप्रिय नैतिकता के बोझ से मुक्त होकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि अदालती कार्यवाही की लाइव–स्ट्रीमिंग जैसे उपायों ने आंतरिक दक्षता, जवाबदेही और संस्थागत स्थिरता को बढ़ावा देने में मदद की है। उन्होंने कहा कि अब जनहित याचिका देश की संवैधानिक व्यवस्था का एक अनूठा हिस्सा बन गई है। इसलिए महत्वपूर्ण परिणाम अदालतों की जवाबदेही का एक हिस्सा हैं। न्यायिक संस्थानों का मूल्यांकन लोग परिणामों की स्थिरता और समता, निष्पक्षता और न्याय के सांवधानिक मूल्यों के पालन के आधार पर करते हैं। इसलिए न केवल न्यायिक निर्णय बल्कि उन तक पहुंचने के रास्ते भी पारदर्शी होने चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे निर्णयों की कथित निष्पक्षता के साथ–साथ उन्हें प्राप्त करने में आसानी भी महत्वपूर्ण है। न्याय न केवल किया जाना चाहिए, बल्कि होते हुए दिखना भी चाहिए। अदालतों में प्रक्रिया में फंसे लोगों की तुलना में परिणाम दुर्लभ हैं। न्यायालयों में की गई तकनीकी पहल को लेकर भी बात की।

राजस्थान में चरमरा गई है कानून व्यवस्था, चरम पर नौकरशाही – सचिन

राजस्थान, एजेंसी। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने राजस्थान की भजनलाल सरकार पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि राजस्थान में नौकरशाही हावी हो चुका है। आम लोगों की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार के 10 महीनों में, आम चुनाव हो चुके हैं, कानून व्यवस्था चरमरा गई है, नौकरशाही चरम पर है। भाजपा पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया है, सीएम अपने कर्तव्यों को निभाने के लिए स्वतंत्र नहीं हैं, और यह भ्रम केवल लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रहा है। उपचुनाव को लेकर सचिन पायलट ने कहा कि जब भी राजस्थान में उपचुनाव की घोषणा होगी, कांग्रेस सभी सीटों पर जीत हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा के चुनाव नतीजों का इन उपचुनावों पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि अलग परिस्थिति में यह उपचुनाव हो रहा है। मैं समझता हूं सात सीट पर उपचुनाव होगा और सभी सीट पर कांग्रेस मजबूती से लड़ेगी और जीतेगी यह मैं आपको विश्वास के साथ कह सकता हूं। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी का वोट 'शेयर' बढ़ा है और मैं समझता हूं कि जितने वोट भाजपा को मिले उतने ही हम लोगों को मिले तो हमारा वोट बढ़ा है। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि कांग्रेस का मत प्रतिशत घटा है लेकिन इसका कोई नकारात्मक प्रभाव बाकी राज्यों में पड़ेगा ऐसा मैं नहीं मानता क्योंकि महाराष्ट्र में एक मजबूत गठबंधन पहले से है और झारखंड में भी गठबंधन काफी मजबूत है।

हमारी पार्टी दिल्ली में भाजपा को हराने में सक्षम - राघव चड्ढा

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने हरियाणा चुनाव में कांग्रेस को मिली हार पर इशारों ही इशारों में हमला बोला। उन्होंने कांग्रेस को नसीहत देते हुए कहा कि अगर हरियाणा चुनाव में कांग्रेस ने एकजुटता दिखाई होती, तो नतीजे कुछ विपरीत हो सकते थे। वहीं, हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की मिली शिकस्त के बाद अब इसके साइड इफेक्ट भी दिखाने लगे हैं। राघव चड्ढा ने कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी, भाजपा को हराने में सक्षम है, यह हमारा सेल्फ कॉन्फिडेंस है, ओवर कॉन्फिडेंस नहीं है। उन्होंने कहीं ना कहीं इस बात की तरफ संकेत दिए हैं कि दिल्ली में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में आप, कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं करेगी। आप सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि हरियाणा के जो नतीजे हैं, वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत कम और कांग्रेस की हार ज्यादा नजर आती है। नतीजे यह दिखाते हैं कि अगर राज्य में एकजुटता के साथ चुनाव लड़ा होता,

तो नतीजे विपरीत भी हो सकते थे। हाल ही में दो राज्य जम्मू–कश्मीर और हरियाणा में विधानसभा चुनाव हुए। जम्मू–कश्मीर में इंडिया गठबंधन ने एकजुट होकर चुनाव लड़ा। वहां गठबंधन जीता और भाजपा की हार हुई। लेकिन, हरियाणा में गठबंधन एकजुट होकर चुनाव नहीं लड़ पाया, कुछ परिस्थितियां ऐसी रही कि एकजुटता नहीं बन पाई और वहां नतीजे हमारे हक में नहीं आए। भाजपा के पक्ष में आ गए। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि काफी सीख हमें इन चुनावों से लेनी चाहिए। पहली सीख यह है कि हमें अति आत्मविश्वास नहीं होना चाहिए, हम ओवर कॉन्फिडेंस में कहीं मारे ना जाएं, चुनावी राजनीति में विश्वास होना बहुत अच्छी बात है, सेल्फ कॉन्फिडेंस होना और भी अच्छी बात है, लेकिन ओवर कॉन्फिडेंस होना बहुत बुरी बात है। हरियाणा में 60 प्रतिशत से अधिक वोट भाजपा के खिलाफ पड़ा। यह वोट बदलाव और नई सरकार के लिए पड़ा। 40 प्रतिशत से थोड़ा कम वोट भाजपा के पक्ष में पड़ा है। फिर भी इसे आंकड़ों की जादूगरी कहें या फर्स्ट पास्ट द पोस्ट सिस्टम कहिए। इसमें भाजपा बाजी मार गई, इसलिए हरियाणा में एकजुटता की आवश्यकता है। दिल्ली में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के आप के साथ गठबंधन के सवाल पर राघव चड्ढा ने कहा कि देश में दो कैटेगरी के चुनाव होते हैं, पहली कैटेगरी है, जिसमें रीजनल पार्टियां हैं, वो भाजपा को हराने में सक्षम हैं और हराती भी आई हैं। जैसे तमिलनाडु में डीएमके, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस या दिल्ली में आम आदमी पार्टी है। इस कैटेगरी के चुनावों में कांग्रेस या अन्य दलों की सहायता की आवश्यकता नहीं पड़ती है। दूसरी कैटेगरी उन राज्यों की है, जहां पर भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधी फाइट होती है, लेकिन कांग्रेस कहीं ना कहीं भाजपा को हराने में सक्षम नहीं रह पाती है। उन्हें एलायंस बनाने की आवश्यकता पड़ती है। उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली का चुनाव पहली कैटेगरी में आता है, जहां हम खुद भाजपा को हराने में सक्षम हैं और लगातार विधानसभा चुनाव में हारते भी आए हैं। चाहे 2013, 2015 और 2020 का विधानसभा चुनाव हो।

पीएम मोदी के नेतृत्व में हो रहा भव्य और दिव्य केदार का निर्माण – सीएम धामी

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भव्य और दिव्य केदार का निर्माण हो रहा है। भगवान केदार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की असीम आस्था है। साल 2013 की आपदा के बाद केदारनाथ धाम में पुनर्निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा, "हाल ही में ने हरियाणा में जीत का परचम लहराकर तीसरी बार सरकार बनाई है। अब हरियाणा में भी तेजी से विकास होगा। हरियाणा की जनता ने एक बार फिर से भाजपा पर विश्वास जताया है। उन्होंने कहा, "उत्तराखंड की 21 जलविद्युत परियोजनाएं, देहरादून का निर्माणाधीन एलिवेटेड रोड और रोपवे का काम जल्दी से करवाने की दिशा में भी लगातार कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि देवभूमि के विकास की गति शिथिल न हो। देवभूमि से जुड़े कई

मुद्दों पर हमारी वार्ता जारी है। उन्होंने कहा, "कल मेरी पी.टी. उषा से भी मुलाकात हुई थी। उत्तराखंड में राष्ट्रीय खेलों का आयोजन होना है, जिसकी तिथि घोषित हो चुकी है। अगले साल 28 जनवरी से 14 फरवरी के बीच में हमारे यहां राष्ट्रीय खेलों का आयोजन किया जाएगा। यह हमारे लिए बहुत बड़ा दिन साबित होगा। अब हम उन लोगों से भी इस संबंध में अनुभव हासिल करेंगे।

संपादकीय

भारत को सतर्क रहने की आवश्यकता

यदि आप पाकिस्तान की सरकार चलाने वालों की दिशा के बारे में जानना चाहते हैं, तो इसके जासूस प्रमुख, यानी इंटर–सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के महानिदेशक की पसंद पर कड़ी नजर रखें। पाकिस्तान में (सेना प्रमुख के बाद) यह दूसरा सबसे शक्तिशाली पद है, जो विभिन्न प्रतिस्पर्धी ताकतों – पाकिस्तानी प्रतिष्ठान (अर्थात सेना), नागरिक राजनीतिज्ञों, मौलवियों, अंतरराष्ट्रीय भागीदारों (जैसे चीन, अरब शेखों और संयुक्त राज्य अमेरिका) और यहां तक कि तथाकथित गैर–राज्य अभिनेताओं, आदि के बीच मुख्य पुल के रूप में कार्य करता है। हाल ही में लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक को आईएसआई के नए महानिदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है, जिसमें पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की स्पष्ट छाप और उनकी स्पष्ट प्राथमिकता है। लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार के ढोंग से परे, जो पूरी तरह से असंभावित भागीदारों – पीएमएल–एन और पीपीपी – के चयनित गठबंधन द्वारा संचालित है – वर्तमान पाकिस्तानी आख्यान में असली खिलाड़ी जनरल असीम मुनीर हैं। इसलिए, लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक की उनकी पसंद शुभ संकेत है।

यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि आईएसआई डी–जी की नियुक्ति के लिए कोई औपचारिक प्रक्रिया नहीं है, न तो सेना अधिनियम में और न ही संविधान में (आखिरी निर्णय के लिए सेना प्रमुख द्वारा पीएम को तीन नामों का प्रस्ताव देने की प्रथा को छोड़कर)। अतीत के विपरीत, इस बात की कोई खबर नहीं थी कि तीन संभावित उम्मीदवार कौन थे (यदि थे भी), और इंटर–सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) द्वारा एक गुप्त घोषणा ने पुष्टि की कि लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक नए आईएसआई डी–जी होंगे। आईएसआई डी–जी राष्ट्रीय नियति को महत्वपूर्ण रूप से आकार दे सकते हैं, जैसा कि "धार्मिक विचारधारा वाले" आईएसआई डी–जी लेफ्टिनेंट जनरल मुहम्मद रियाज खान ने जनरल जिया–उल हक के तख्तापलट का समर्थन करके किया था, या उनके उत्तराधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल अख्तर अब्दुस रहमान ने 1980 के दशक में अफगानिस्तान में आईएसआई–सीआईए अभियान में किया था। वे कुख्यात लेफ्टिनेंट जनरल हामिद गुल (तालिबान के पिता) की तरह गैर–पेशेवर महत्वाकांक्षाएं भी रख सकते हैं या लेफ्टिनेंट जनरल जावेद नासिर, लेफ्टिनेंट जनरल अहमद सुशा पाशा या लेफ्टिनेंट जनरल महमूद अहमद की तरह कट्टर और ष्पश्चिम विरोधीष हो सकते हैं। कुछ लोग घरेलू राजनीति में खुलेआम हस्तक्षेप करते थे और लेफ्टिनेंट जनरल जहीरुल इस्लाम की तरह व्यक्तिगत अनैतिकताओं में फंसे थे। लेकिन शायद हाल के दिनों में सबसे ज्यादा विक्षिप्त और राजनीतिक रूप से (इमरान खान के साथ) जुड़े हुए व्यक्ति काफी सुर्खियों में रहने वाले लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद हैं, जो अब कोर्ट मार्शल का सामना कर रहे हैं, जिन्हें व्यावहारिक रूप से आईएसआई से हटा दिया गया था और बाद में रावलपिंडी जीएचक्यू में उनके वरिष्ठों द्वारा सेवानिवृत्त कर दिया गया था। आज उन्हें इमरान खान का साथ देने के परिणाम भुगतने पड़ रहे हैं, जो पाकिस्तानी प्रतिष्ठान के खिलाफ लड़ रहे थे, विडंबना यह है कि पहले उन्हें ही चुना गया था। अनिवार्य रूप से, प्रत्येक आईएसआई डीजी ने राष्ट्रीय आख्यान पर एक अमिट छाप छोड़ी क्योंकि वे अपनी वैचारिक और पक्षपातपूर्ण मान्यताओं के अनुरूप इसे हेरफेर करने की स्थिति में थे। कई मायनों में, वर्तमान आईएसआई डीजी पाकिस्तान के बड़े स्वर और आचरण को परिभाषित करता है। उस तर्क के अनुसार, लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक जैसे शुद्ध पेशेवर की पसंद आश्वस्त करने वाली प्रतीत होती है। पाकिस्तानी सैनिकों के गढ़ (सरगोधा) से और मार्शल अवान कबीले से आने वाले, वे सैंडहर्स्ट–शिक्षित लेफ्टिनेंट जनरल गुलाम मुहम्मद मलिक के पुत्र हैं। खुद पाकिस्तान मिलिट्री अकादमी से स्वॉर्ड ऑफ ऑनर प्राप्त, उन्होंने वजीरिस्तान और बलूचिस्तान के अशांत क्षेत्रों सहित महत्वपूर्ण कमांड और स्टाफ पोस्टिंग में काम किया है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उनसे ष्पश्चिम विरोधीष होने की उम्मीद नहीं की जाती है, यह देखते हुए कि उन्होंने यूएस आर्मी के साथ फोर्ट लीवनवर्थ और यूके में रॉयल कॉलेज ऑफ डिफेंस स्टडीज में प्रशिक्षण लिया है पाकिस्तान–अमेरिका संबंधों के संवेदनशील विषय पर, उन्हें एक निश्चित रणनीतिक सूक्ष्मता, संयम और दृष्टिकोण में माप प्रदान करना चाहिए। यह देखते हुए कि एक ब्रिगेड और एक डिवीजन की उनकी वरिष्ठ कमान की जिम्मेदारियों में डूरंड रेखा के पार से आतंकवाद विरोधी अभियान और क्रॉसफायर शामिल हैं, नियंत्रण रेखा (भारत के साथ) से खतरों के विपरीत, उन्हें धार्मिक उग्रवाद और "आतंक नर्सरी" को पोषित करने के घातक प्रभावों के बारे में पता होना चाहिए, क्योंकि ये फ्रेंकस्टीन के राक्षसों में बदल गए हैं। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि पाकिस्तान भारत को "शत्रु" मानने की अपनी मूल धारणा को बदल देगा, यह पाकिस्तान की "स्थापना" के लिए अपनी प्रासंगिकता और फूले हुए बजट को बनाए रखने के लिए एक अस्तित्वगत वास्तविकता बनी रहेगी। लेकिन पाकिस्तानी "स्थापना" द्वारा कभी बीज बोए और पोषित किए गए तत्वों द्वारा उनके सैनिकों पर अभूतपूर्व आतंकवादी हमलों और मौतों को देखते हुए, धार्मिक उग्रवाद को बढ़ावा देना पीछे की सीट ले सकता है। उनकी प्रोफाइल स्वाभाविक रूप से अमेरिका और अन्य पश्चिमी संरक्षकों के लिए सुलभ है, जिन्हें हाल के दिनों में लेफ्टिनेंट जनरल अहमद सुशा पाशा या लेफ्टिनेंट जनरल महमूद अहमद जैसे पश्चिम विरोधी आईएसआई डी–जी से ठंडे स्वागत का सामना करना।

बॉक्स से बाहर निकलकर सीमा पार प्रांतों में

आदित्य

विदेश मंत्री एस जयशंकर की इस्लामाबाद की आगामी यात्रा ने एक पूर्व रक्षा सचिव के उस बयान को याद दिला दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि केवल पंजाबी ही भारत और पाकिस्तान दोनों की ओर से बातचीत करके दोनों देशों के बीच विवादों का स्थायी समाधान निकाल सकते हैं। लगभग 30 साल पहले, यह अवसर एक विदेश सचिव द्वारा एक पुस्तक विमोचन का था, जो पंजाबी रक्षा सचिव के लगभग उसी समय सेवानिवृत्त हुए थे। इस तर्क का जवाब देते हुए, मलयाली भाषा के पूर्व विदेश सचिव ने विमोचन की जा रही पुस्तक से उर्दू कवि गालिब को उद्धृत कियारू "नुक्तचिन है गम–ए–दिल उसको सुनाए न बने ध क्या बने बात जहाँ बात बनाए न बने।" (मेरे दिल की बातें इतनी जटिल और उलझी हुई हैंय मैं उन्हें अपने नायक को कैसे समझा सकता हूँ? मैं एक सामंजस्यपूर्ण संबंध कैसे बना सकता हूँ जब इसके लिए आवेग और प्रेरणाएँ ही न हों?) तत्कालीन प्रधान मंत्री पी वी नरसिम्हा राव ने रक्षा सचिव के तर्क को ईमानदारी से आजमाया। उन्होंने पाकिस्तान के साथ बर्फ हटाने के लिए विदेश राज्य मंत्री और अमृतसरी आर एल भाटिया को चुना और उन्हें इस्लामाबाद की यात्रा पर भेजा। बाबरी मस्जिद के विध्वंस के बाद द्विपक्षीय वार्ता में लंबे अंतराल के बाद यह हुआ। अंत में, भाटिया की इस्लामाबाद यात्रा का कोई मतलब नहीं निकला। भाटिया ने बाद में राज्यसभा को बताया कि पाकिस्तान को भारत से बातचीत करने का एक और मौका दिया गया था। यह तब की बात है जब नवंबर 1994 में राष्ट्रमंडल के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में भाग लेने के लिए विदेश सचिव इस्लामाबाद गए थे। भाटिया ने कहा, "हमने कूटनीतिक चौनलों के माध्यम से पाकिस्तान को पहले ही बता दिया था कि विदेश सचिव द्विपक्षीय मुद्दों पर औपचारिक या अनौपचारिक रूप से किसी भी चर्चा के लिए उपलब्ध रहेंगे। हालांकि, पाकिस्तान ने द्विपक्षीय वार्ता को फिर से शुरू करने के अवसर का लाभ नहीं उठाया।" जयशंकर ने पिछले हफ्ते स्पष्ट किया कि वह भारत–पाकिस्तान संबंधों पर चर्चा करने के लिए इस्लामाबाद नहीं जा रहे हैं, यह इतिहास के एक या दूसरे पक्ष द्वारा खुद को दोहराने का एक जाना–पहचाना मामला है। जब जयशंकर ने इस्लामाबाद में कहा कि ष्मैं एक विनम्र और सभ्य व्यक्ति हूं, मैं उसी के अनुसार व्यवहार करूंगाष, तो उनका मतलब था कि उनके और पाकिस्तान के विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार के बीच हाथ मिलाना होगा। एक समय था जब भारत और पाकिस्तान के नेता एक–दूसरे से मिलने पर भी हाथ मिलाने से इनकार कर देते थे। कारगिल घुसपैठ और दिसंबर 2001 में संसद पर आतंकवादी हमले के बाद आपसी कटुता का वह दौर एक साल बाद काठमांडू में सार्क शिखर सम्मेलन में समाप्त हुआ। दक्षिण एशियाई राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों को अपना संबोधन समाप्त करने के बाद जनरल परवेज मुशर्रफ ने प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की ओर हाथ बढ़ाकर सबको चौंका दिया। वाजपेयी अपनी सीट से उठे और मुशर्रफ का हाथ थाम लिया। लेकिन जब बोलने की बारी आई तो वाजपेयी कटु हो गए। अपने तैयार किए गए पाठ से हटकर वाजपेयी ने कहारू ष्मुझे खुशी है कि राष्ट्रपति मुशर्रफ ने मेरी ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया। मैंने आपकी मौजूदगी में उनसे हाथ मिलाया है। अब राष्ट्रपति मुशर्रफ को पाकिस्तान या उसके नियंत्रण वाले किसी भी क्षेत्र में ऐसी किसी भी गतिविधि की अनुमति न देकर इस इशारे का पालन करना चाहिए, जिससे आतंकवादी भारत में बिना सोचे–समझे हिंसा कर सकें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जयशंकर इस समय पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय वार्ता फिर से शुरू नहीं करना चाहते, यह सही है। यह एक बेकार की कवायद होगी। भले ही डार या सीमा पार के किसी अन्य व्यक्ति के साथ अभी तक कोई बातचीत नहीं होगी, लेकिन इस्लामाबाद में जयशंकर के कदमों में उछाल आएगा। जम्मू–कश्मीर में विधानसभा चुनावों का काफी हद तक शांतिपूर्ण संचालन और प्रभावशाली मतदान ने विदेश मंत्रालय की सीट साउथ ब्लॉक में पाकिस्तान कूटनीति के श्रेय में महत्वपूर्ण वृद्धि की है। चूंकि भाजपा केंद्र शासित प्रदेश में सीधे तौर पर नहीं जीती, इसलिए चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता अधिक होगी, उदाहरण के लिए 1987 में कुख्यात, धांधली वाले विधानसभा चुनावों के विपरीत। फिर भी, पाकिस्तान से बातचीत न करना एक स्थायी नीति नहीं हो सकती। सरकार का यह रुख कि बातचीत और आतंकवाद एक साथ नहीं चल सकते, भारतीय जनता को आकर्षित कर रहा है, लेकिन यह अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ हमेशा के लिए अच्छा नहीं रहेगा। दुनिया आगे बढ़ रही है – उत्तरी आयरलैंड में लंबे समय से चल रहा संघर्ष समाप्त हो गया है, तिमोर–लेस्ते स्वतंत्र और शांतिपूर्ण है, बाल्कन में अब नरसंहार नहीं हो रहा है, न ही रवांडा में, कई समकालीन उदाहरणों में से कुछ उदाहरण हैं। यदि भारत को लंबे समय में एक जिम्मेदार बड़ी शक्ति के रूप में अपना सही स्थान प्राप्त करना है या संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के कक्ष में अपनी स्थायी सीट प्राप्त करनी है, तो उसे पाकिस्तान के साथ अपने विवादों को हल करना होगा। कम से कम, यह तो दिखना चाहिए कि वह इस बारे में कुछ कर रहा है। राजनयिकों का काम यही है, जो दंगा–फसाद करने वाले, वोट मांगने वाले राजनेताओं के साथ मेल खाते हैं। जयशंकर को जल्द से जल्द इस बारे में सोचना चाहिए कि पाकिस्तान के साथ क्या करना है, क्योंकि नियमित कदम उठाने की कोशिश की गई है और वे विफल रहे हैं। भारत के प्रति इस्लामाबाद और रावलपिंडी, सेना मुख्यालय में राज्य की नीति में बदलाव की संभावना नहीं है। यह केवल घरेलू राजनीति के साथ सख्त हो सकता है।

मोहम्मद मुइज्ज़ू के भारत के प्रति नाटकीय बदलाव

विनोद

मालदीव के राष्ट्रपति चुनाव में मोहम्मद मुइजू के जीतने के एक साल से कुछ ज्यादा समय बाद, खुले तौर पर भारत विरोधी अभियान पर सवार होकर, हिंद महासागर के द्वीपसमूह के नेता ने इस हफ्ते अपनी यात्रा के दौरान नई दिल्ली के साथ संबंधों के लिए एक बहुत ही अलग दृष्टिकोण पेश किया। उन्होंने भारतीय पर्यटकों को लुभाया, वादा किया कि वे कभी भी ऐसे कदम नहीं उठाएँगे जो भारत के सुरक्षा हितों को नुकसान पहुँचा सकते हैं, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इनमें एक समुद्री सुरक्षा समझौता और एक मुद्रा नियंत्रण व्यवस्था शामिल है जो मालदीव को ऋण चूक से बचने में मदद कर सकती है। श्री मुइजू ने श्री मोदी को माले आने का भी निमंत्रण दिया और भारतीय प्रधानमंत्री ने निमंत्रण स्वीकार कर लिया। एक मीडिया ब्रीफिंग में, भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही दोस्ती का जिक्र किया। भारत के लिए, ये स्वागत योग्य घटनाक्रम हैं। श्री मुइजू ने अपने अभियान के दौरान मालदीव और चीन के बीच संबंधों को प्राथमिकता देने का वादा किया था और नई दिल्ली की यात्रा से पहले बीजिंग का दौरा किया था। सत्ता में आने के तुरंत बाद, उन्होंने मालदीव में तैनात भारतीय सैनिकों की एक छोटी टुकड़ी को निष्कासित करने का भी आदेश दिया। उनके कुछ मंत्रियों ने श्री मोदी और भारत के बारे में गैर–कूटनीतिक टिप्पणियां की थीं। इस सप्ताह उनकी नई दिल्ली यात्रा के परिणाम एक नाटकीय बदलाव का प्रतिनिधित्व करते हैं। फिर भी भारत को इस बदलाव से सही सबक सीखना चाहिए। पिछले साल नई दिल्ली और माले के बीच तनाव के बीच, श्री मोदी की सरकार से जुड़े कई प्रभावशाली लोगों ने मालदीव के अनौपचारिक आर्थिक बहिष्कार के लिए दबाव डाला थाय मालदीव जाने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या में भी भारी गिरावट आई थी। जब मालदीव ऋण ऋण चुकौती को स्थगित करने के लिए सौदों को सील करने के लिए संघर्ष कर रहा था, श्री मुइजू ने बदले हुए स्वर के साथ भारत से संपर्क करना शुरू कर दिया। इस पृष्ठभूमि के खिलाफ, भारत के लिए बड़ी ताकतों के अभिमान के आगे झुकना और यह निष्कर्ष निकालना आकर्षक होगा कि मालदीव जैसे छोटे पड़ोसियों के पास अंततः नई दिल्ली के हितों के अनुरूप होने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। यह एक गलती होगी। उदाहरण के लिए, श्री मुइजू ने चीन के साथ संबंधों को

भी मजबूत किया है शर्मा ओली भी काठमांडू–बीजिंग के बीच सौहार्द के हिमायती रहे हैं। मोदी सरकार को इन देशों को पर्याप्त प्रोत्साहन देना चाहिए ताकि वे भारतीय हितों पर अडिग रहते हुए नई दिल्ली के खिलाफ न खड़े हों। ऐसा करने का एक नया रास्ता खोल दिया है। अब उसे मालदीव और उसके बाहर भी उस गति को बनाए रखना चाहिए।

सुपर कंप्यूटर गढ़ेंगे भारत की नई छवि

ललित

सुपर कंप्यूटर कोई अनजाना शब्द या तकनीक नहीं है। साधारण कंप्यूटरों की तुलना में हजारों–लाखों गुना ज्यादा तेजी से काम करने और एक सेकेंड में अरबों–खरबों गणनाएं करने की क्षमता सुपर कंप्यूटरों को आम कंप्यूटरों से अलग करती है। इन्हीं सुपर कंप्यूटरों से जुड़ी एक नई सूचना यह है कि हाल में भारत में परम रुद्र श्रेणी के तीन नए सुपर कंप्यूटर विकसित कर देश के अलग–अलग वैज्ञानिक संस्थानों में स्थापित किए गए हैं। निश्चित रूप से इनसे कंप्यूटिंग के क्षेत्र में हमारे देश को बढ़त हासिल होगी, लेकिन क्या हमारा देश सुपर कंप्यूटर मामले में उस स्थिति में है कि तकनीक के इस क्षेत्र की महाशक्तियों की बराबरी कर सके ? हालांकि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के इस दौर में सुपर कंप्यूटरों की चर्चा पुराने जमाने की लग सकती है, लेकिन हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि गणनाओं में तेजी लाए बिना एआइ जैसी तकनीक का भी कोई अर्थ नहीं रह जाता है। बहरहाल भारत की स्थिति इस मामले में सुपर स्टार जैसी नहीं है। क्षमता के मानकों पर सुपर कंप्यूटरों की इसी साल जून में जारी वैश्विक सूची में भारत को 20वीं स्थान मिला है, जो इसे देश में स्थापित 11 सुपर कंप्यूटरों की बदौलत मिला है। हाल में पुणे, दिल्ली और कोलकाता के अग्रणी वैज्ञानिक अनुसंधानों के कामकाज में तीव्रता लाने के लिए सुपर कंप्यूटर परम रुद्र को विकसित करके स्थापित किया गया है। इनमें से एक सुपर कंप्यूटर पुणे स्थित विशाल मीटर रेडियो टेलीस्कोप (जीएमआरसी) में स्थापित किया गया है। वहां स्थापित परम रुद्र से खगोलीय संकेतों को समझने और विशेष रूप से रेडियो संकेतों को पकड़ने में मदद मिलेगी। दूसरा परम रुद्र दिल्ली स्थित इंटर यूनिवर्सिटी एक्सलेरेटर सेंटर (आइयूएस) में स्थापित किया गया है। यहां स्थापित परम रुद्र पदार्थ विज्ञान और परमाणु भौतिकी के क्षेत्र में शोध एवं अनुसंधान को गति देगा। तीसरा परम रुद्र कोलकाता के एसएन बीस सेंटर में लगाया गया है। वहां इसकी मदद से भौतिकी, ब्रह्मांड विज्ञान और पृथ्वी के संचालन संबंधी गतिविधियों के आंकड़ों का सटीक विश्लेषण किया जाएगा। इन तीनों में से दिल्ली के इंटर यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर में स्थापित सुपर कंप्यूटर की क्षमता यानी गणना करने की गति सबसे ज्यादा है। यह एक ष्पेटाफ्लाप है, जबकि कोलकाता में लगाया गया परम रुद्र इसके मुकाबले धीमा है, जो कि 838 टेराफ्लाप की गति वाला है। हमारे देश के पास राष्ट्रीय सुपर कंप्यूटिंग मिशन के तहत विकसित किए गए परम रुद्र से पहले परम अनंत, परम शिवाय, परम शक्ति और परम ब्रह्म नाम के सुपर कंप्यूटर मौजूद हैं। क्यों अहम है सुपर कंप्यूटिंग तकनीक बात चाहे मौसम के पूर्वानुमान लगाने की हो, जलवायु के रुझान जानने की हो, परमाणु परीक्षणों और फार्मास्युटिकल रिसर्च जैसे कामों में दक्षता हासिल करते की हो इन सभी में सुपर कंप्यूटिंग से ही तेजी आई है। आज चौटजीपीटी जैसे एआइ प्लेटफार्म अगर तेजी से हमारे कामकाज संपन्न कर रहे हैं, तो उनमें भी सुपर कंप्यूटिंग का कमाल दिखता है। एआइ की मदद से चलने वाले एल्गोरिद्म और चेहरा पहचानने आदि जटिल कामों में भी सुपर कंप्यूटिंग तकनीक बहुत मददगार है। इन दिनों चिकित्सा, खास तौर से फार्मास्युटिकल के क्षेत्र में सुपर कंप्यूटरों का इस्तेमाल काफी बढ़ गया है सुपर कंप्यूटिंग की मदद से ही कोरोना वायरस के स्वरूप बदलने की क्षमताओं को मापा गया और उस पर कोई वैक्सीन कितनी कारगर है इसका आकलन किया गया। सुपर कंप्यूटरों से अंतरिक्ष अनुसंधान और बेहद उच्च–स्तरीय हथियार जैसे कि परमाणु हथियार और हाइपरसेनिक मिसाइलें बनाने में भी काफी मदद मिलती है। आज की तारीख में सभी तरह के आधुनिक हथियारों के निर्माण और राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र में सुपर कंप्यूटरों का ही इस्तेमाल होता है। उल्लेखनीय है कि अंतरिक्ष की खोज, चिकित्सा, तीव्र इंटरनेट सेवा, इंसान के दिमाग की पड़ताल, रोबोटिक्स और मौसम संबंधी जानकारियों के बढ़ते दायरे के मद्देनजर अब दुनिया में अत्यधिक तेज सुपर कंप्यूटरों की जरूरत पड़ने लगी है। इसी जरूरत को भांपते हुए चीन, रूस, अमेरिका, जापान आदि देश तीव्रतम सुपर कंप्यूटरों के निर्माण की कोशिश में लगे हुए हैं। शीर्ष पर पहुंचने की होड़ हमारे देश में कई और सुपर कंप्यूटर भी हैं, लेकिन परम रुद्र की स्थापना के साथ उम्मीद है कि भारत शीर्ष सुपर कंप्यूटरों की सूची में जल्द ही नए मुकाम पर होगा, लेकिन यहां एक मलाल हमें सताता है। वह यह कि सुपर कंप्यूटिंग के मामले में काफी तरक्की करने के बावजूद हमारा देश शीर्ष 10 में नहीं आता है। हालांकि हमारे देश में कुछ सुपर कंप्यूटर ऐसे हैं जिनकी गिनती कुछ समय पहले तक दुनिया के सौ सबसे तेज सुपर कंप्यूटरों में होती रही है जैसे कि प्रत्यूष और मिहिर सुपर कंप्यूटर प्रत्यूष सुपर कंप्यूटर पुणे स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट आफ ट्रॉपिकल मेट्रोलाजी संस्थान में स्थापित है। नवंबर 2018 में जारी शीर्ष 500 सुपर कंप्यूटरों की लिस्ट में यह 45वें स्थान पर आया था, जबकि नौएडा स्थित नेशनल सेंटर फार मीडियम रेंज वेदर फारकास्टिंग में स्थापित मिहिर सुपर कंप्यूटर इस सूची में 73वें नंबर पर था। फिलहाल सुपर कंप्यूटरों की टाप 10 लिस्ट में चीन एवं अमेरिका के अलावा जापान, जर्मनी और फ्रांस के सुपर कंप्यूटर आते हैं। खुद को आइटी और कंप्यूटिंग का पुरोधा कहने वाला हमारा देश इस मामले में काफी पिछड़ा हुआ है। आखिर इस पिछड़ेपन का कारण क्या है? पाबंदियों से खुला का रास्ता असल में विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में यह बात काफी मायने रखती है कि किसी देश ने उससे जुड़ी परियोजनाओं और शोधकार्यों की शुरुआत कब से की ध्यान रहे कि भारत ने पहले सुपर कंप्यूटर परम 8000 के निर्माण की तरफ तब कदम बढ़ाए थे, जब अमेरिका ने भारत को सुपर कंप्यूटर देने से इन्कार कर दिया था। अमेरिका ने भारत को क्रे नामक सुपर कंप्यूटर देने से मना कर दिया था तब इस चुनौती की स्वीकार करते हुए सरकार के निर्देश पर भारतीय विज्ञानी डा. विजय भटकर और उनके सहयोगियों ने परम 8000 नामक पहला सुपर कंप्यूटर बनाया था। इस दिशा में दूसरी बड़ी पहल 2015 में हुई, जब राष्ट्रीय ई–गवर्नेंस प्लान 2.0 के अंतर्गत हर किस्म की सरकारी सेवा को मोबाइल समेत अन्य इलेक्ट्रानिक माध्यमों के प्लेटफार्म पर ले आने की योजना लागू की गई।

युवाओं और आधुनिक भारत के पथप्रदर्शक

संजय

जिन मूल्यों और नीतियों से मैंने जीने का प्रयास किया है, उनके अलावा, जो विरासत मैं छोड़ना चाहूंगा, वह एक बहुत आसान है – मैंने हमेशा उसके लिए खड़ा रखा है जिसे मैं सही बात समझता हूं, और मैंने जैसा भी हो सकता हूं, उतना ही निष्पक्ष और न्यायपूर्ण होने की कोशिश की है–श्री रतन टाटा दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा का 86 साल की उम्र में निधन हो गया है. उन्हें मंगलवार को मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था रतन टाटा युवाओं के साथ साथ आधुनिक भारत का पथ प्रदर्शक थे। रतन टाटा ने आधुनिक भारत की राह को दोबारा परिभाषित किया, उनके जैसे महापुरुष कभी ओझल नहीं होते रतन टाटा महज एक बिजनेस लीडर नहीं थे, उनमें सत्यनिष्ठा, दयाभाव और व्यापक भलाई के लिए अटूट प्रतिबद्धता के साथ भारत की भावना समाई थी रतन टाटा ने दुनिया को अलविदा कह दिया है। उन्होंने अपने नेतृत्व और परोपकार से भारत की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान दिया। टाटा समूह को एक वैश्विक व्यापार साम्राज्य में बदल दिया। 75 साल की उम्र में 2012 में सेवानिवृत्त होकर उन्होंने टाटा नैनो जैसी पहल की, जिससे आम लोगों की मदद हुई। रतन टाटा का जन्म 28 दिसंबर 1937 को मुंबई में हुआ टाटा घराने में वे चौथी पीढ़ी में थे उनके पिता नवल टाटा को रतनजी टाटा ने गोद लिया था. रतनजी, टाटा ग्रुप के संस्थापक जमशेदजी टाटा के बेटे थे रतन टाटा की मां का नाम सूनी टाटा था रतन टाटा को बचपन में ही निजी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। 10 साल की उम्र में उनके माता–पिता अलग हो गए। बाद में उनकी दादी ने उनका पालन–पोषण किया। लेकिन, इससे उन्हें पारिवारिक मूल्यों की गहरी समझ पैदा करने में मदद मिली। यहां से बढ़ते हुए वे नेशनल रेडियो एंड इलेक्ट्रॉनिक्स में डायरेक्टर के पद पर पहुंचे एक अपरेंटिस से डायरेक्टर बनने में उन्हें नौ साल लगे। लेकिन, वह कभी भी कड़ी मेहनत से पीछे नहीं हटे। उन्होंने आम आदमी की जमीनी हकीकत और बारीकियों को समझने के लिए जबरदस्ध्त प्रतिबद्धता दिखाई। वह समूह में विभिन्न उद्योगों में अपने कौशल का सम्मान करते हुए आगे बढ़े। इन 9 सालों में उन्होंने हर लेवल पर अपने काम को बेहतर किया 1991 में श्रत्क टाटा ने उन्हें अपना उत्तराधिकारी घोषित किया. उनके कार्यकाल में ग्रुप सही मायनों में एक मल्टी नेशनल कॉरपोरेशन बना आलीशान घर में पले–बढ़े और कॉर्नेल यूनिवर्सिटी से आर्किटेक्चर और स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल करने के बाद रतन टाटा ने हार्वर्ड से एडवांस्ड मैनेजमेंट प्रोग्राम किया। इतना सबकुछ होने के बावजूद रतन टाटा ने आईबीएम की नौकरी की पेशकश को ठुकरा दिया था। उन्होंने 1962 में टेलको (अब टाटा मोटर्स) के शॉप फ्लोर पर काम करना शुरू कर दिया, जहां वह चूना पत्थर फावड़ा और ब्लास्ट फर्नेस में टीम के सदस्य थे। उन्होंने टाटा की कमान उस वक्त थामी जब टाटा ग्रुप अनेक परेशानियों से घिरा था मुश्किल हालातों का डटकर सामना कर हर क्षेत्र में टाटा की पकड़ बनाई टाटा को स्थापित किया 1991 में जब रतन टाटा ने जेआरडी टाटा से टाटा संस के चेयरमैन और टाटा ट्रस्ट के अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला, तो उन्होंने ऐसे समय में टाटा समूह का पुनर्गठन शुरू किया जब भारतीय आर्थिक उदारीकरण चल रहा था उनके नेतृत्व में टाटा समूह की तरक्ध्की और वैश्वीकरण की मुहिम ने रफ्तार पकड़ी और नई सहस्राब्दी में टाटा के कई हाई–प्रोफाइल अधिग्रहण देखने को मिले। उनमें से 43.13 करोड़ डॉलर में टेटली, 11.3 अरब डॉलर में कोरस, 2.3 अरब डॉलर में जगुआर लैंड रोवर, ब्रूनर मोंड, जनरल केमिकल इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट्स और 10.2 करोड़ में देवू थे रतन टाटा के कुशल नेतृत्व में इन साहसी कदमों ने टाटा समूह को 100 से अधिक देशों में अपनी वैश्विक उपस्थिति का विस्तार करने में मदद मिली। इस प्रकार भारतीय औद्योगिक क्षेत्र को एक महत्वपूर्ण बढ़ावा मिला। उन्हें टाटा को एक बड़े पैमाने पर भारत–केंद्रित कंपनी से वैश्विक व्यवसाय में बदलने का श्रेय दिया जाता है कंपनी ने दुनिया भर में होटल, केमिकल कंपनियां, संचार नेटवर्क और ऊर्जा प्रदाता भी खरीदे इसके अलावा, एयर इंडिया को वापस टाटा के पास लौटाना व्यापक रूप से उनके पूर्वजों का सम्मान करने के तरीके के रूप में देखा गया था। इसकी स्थापना उनके चाचा और संरक्षक जहांगीर रतनजी दादाभाई टाटा ने 1932 में की थी रतन टाटा ने लोगों की जरूरतों और दैनिक जीवन को समझने के लिए भारतीय बाजार की नब्ज को पहचाना उन्होंने भारत ही नहीं संपूर्ण वैश्विक बाजार में टाटा को पुनः स्थापित किया और आज में कहीं भी नजर डालें – टाटा एक ऐसा ब्रांड है जो आपको लगभग हर जगह मिलेगा। देश में ऐसा व्यक्ति मिलना मुश्किल होगा जिसने टाटा उत्पाद या सेवा का उपयोग न किया हो। टाटा के पास नमक से लेकर टाटा मोटर्स तक सब कुछ है। टाटा शायद भारत का सबसे सर्वव्यापी ब्रांड है। लेकिन, यह सफर इतना आसान नहीं था। बाधाओं के बावजूद, रतन टाटा ने बड़े अधिग्रहण किए फलस्वरूप आज टाटा विश्व का एक प्रतिष्ठित ब्रांड बन चुका है। रतन टाटा ने आम आदमी के लिए लखटकिया नाम से मशहूर हुई टाटा नैनो जैसी पहलों का नेतृत्व किया, जो दुनिया की सबसे सस्ती कार थी रतन टाटा ने कभी कहा था, श्मुझे जो सबसे बड़ी खुशी मिली है, वह है कुछ करने की कोशिश करना, हर कोई कहता है श्नहीं किया जा सकता।श रतन टाटा का विजन मुनाफे से कहीं आगे तक फैला हुआ था। वह सामाजिक जिम्मेदारी और स्थिरता के लिए गहराई से प्रतिबद्ध थे। उनका फाउंडेशन टाटा ट्रस्ट भारत के सबसे बड़े धर्मार्थ संगठनों में से एक है। सरकार ने उद्योग और समाज में उनके योगदान को मान्यता दी और उन्हें 2000 में पद्म भूषण और 2008 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया। ये दोनों भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में से एक हैं। रतन टाटा के संघर्षमय जीवन में कुछ प्रमुख बातें जो उभर कर निकलती हैं वह आम युवाओं के लिए एक शैक्षिक और प्रेरणादायक सीख बन सकती हैं सफलता का यह सबक हम रतन टाटा के जीवन से सीख सकते हैं 1.उत्कृष्टता और इनोवेशन का लक्ष्यरू रतन टाटा ने टाटा समूह के भीतर नवान्वेषण और उत्कृष्टता की सीमाओं को दबाने के महत्व पर लगातार जोर दिया है. उन्होंने परिवर्तनशील परिवर्तनों को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और अपनी टीम को रचनात्मक रूप से सोचने और निरंतर सुधार के लिए प्रयास करने के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया है।

कारपोरेट दफ्तरों में चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार हुए

लखनऊ, संवाददाता। रेकी कर बंद कॉरपोरेट दफ्तरों व घरों में चोरी करने वाले दो शातिरों को विभूतिखंड पुलिस ने बुधवार रात गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से सोने के दो बिस्किट, जेवर और 87 हजार रुपये बरामद किए हैं। गैंग के अन्य गुर्गों के बारे में पुलिस पता लगा रही है। एडीसीपी पूर्वी पंकज सिंह ने बताया कि विकासनगर सेक्टर–4 निवासी सांझ वर्मा विभूतिखंड के वास्तुखंड स्थित रियल एस्टेट कंपनी वसुधा रियिलिटी में मैनेजर हैं।

उन्होंने अपने जेवरात और सोने के छह बिस्किट दफ्तर के लॉकर में रखे थे। 19 व 20 अगस्त को रक्षाबंधन पर दफ्तर बंद था। चोर दफ्तर का ताला तोड़कर जेवरात, सोने के बिस्किट और मालिक के साढ़े तीन लाख रुपये चोरी कर ले गए थे। फुटेज की मदद से दो चोरों की तस्वीर मिली थी। बुधवार देर रात पुलिस ने सिनेपोलिस मॉल के पास से पश्चिमी दिल्ली के तिलकनगर निवासी मिंटू विश्वास और संभल के बनियाठेर निवासी रामभरोसे को गिरफ्तार किया। मिंटू के खिलाफ अलीगढ़, दिल्ली, राजस्थान और कर्नाटक में 11 और रामभरोसे के खिलाफ पीजीआई में चार, संभल में एक आपराधिक मामला दर्ज है।

मुंबई से लखनऊ की फ्लाइट 24 हजार रूपए की, डेढ़ सौ से ऊपर पहुंची ट्रेनों की वेटिंग लिस्ट

लखनऊ, संवाददाता। दीपावली मनाने के लिए मुंबई व दिल्ली से लखनऊ आने वाले यात्रियों के लिए विमान का किराया आसमान पहुंच गया है। मुंबई से आने वाली उड़ान का टिकट जहां 23724 रुपये है, वहीं दिल्ली से आने वाली फ्लाइट का टिकट 16843 पहुंच गया है। इतना ही नहीं ट्रेनों की वेटिंग भी बढ़ी है। खास बात यह है कि विमानों का पांच गुने तक महंगा टिकट सिर्फ 26 अक्तूबर को ही लखनऊ आने वाले यात्रियों के लिए है। दरअसल, 26 को शनिवार है, जिसके बाद छुट्टियां हैं। मुंबई से लखनऊ के लिए सुबह 10:25 बजे रवाना होने वाली इंडिगो की डायरेक्ट फ्लाइट 6ई–2442 का किराया 23,724 रुपये है। ऐसे ही मुंबई से शाम सवा सात बजे टेकऑफ करने वाली फ्लाइट 6ई–544 का किराया 20,476 रुपये पहुंच गया है। वहीं रात 8:35 बजे रवाना होने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की नॉनस्टाप फ्लाइट आईएक्स–670 का किराया 18,445 रुपये पहुंच गया है। जबकि विस्तारा, एयर इंडिया, इंडिगो आदि की कनेक्टिंग उड़ानों का किराया 58,374 रुपये तक पहुंच गया है। किराए में अभी और वृद्धि की आशंका जताई जा रही है। अगले दिन रविवार को मुंबई से लखनऊ की उड़ानें 13508 रुपये तक मिल रही हैं।

चार गुनी महंगी दिल्ली से आने वाली फ्लाइट

ऐसे ही नई दिल्ली से लखनऊ आने वाली इंडिगो की दोपहर 1:40 बजे की डायरेक्ट फ्लाइट का किराया 12,673 रुपये है। एयर इंडिया की डायरेक्ट उड़ान एआई–811 शाम 6:50 बजे रवाना होती है, इसका किराया 16,843 रुपये, विस्तारा की दोपहर 1:40 बजे की डायरेक्ट फ्लाइट यूके–641 का किराया 11,283 रुपये में बिक रहा है। जबकि अगले दिन रविवार को नॉन स्टॉप उड़ानें 6794 रुपये से 9393 रुपये के बीच आसानी से मिल रही हैं। आम दिनों में दिल्ली–लखनऊ का टिकट तीन से चार हजार रुपये में मिल जाता है।

...इसलिए महंगा है टिकट

मुम्बई व दिल्ली से लखनऊ आने वालों के लिए लम्बी छुट्टी की चाहत से टिकट आसमान पहुंच गए हैं। 26 अक्तूबर को शनिवार है। अगले दिन रविवार। इसके बाद 28 को छुट्टी लेने के बाद दो नवंबर तक छुट्टियां हैं। ऐसे में लोग शनिवार को ही लखनऊ आ जाना चाहते हैं।

रेगुलर ही नहीं, स्पेशल ट्रेनों में लंबी वेटिंग

मुम्बई व दिल्ली से लखनऊ आने वाली रेगुलर ही नहीं, स्पेशल ट्रेनों में भी लंबी वेटिंग हो गई है। इससे यात्रियों के लिए सफर आसान नहीं होगा।मुंबई से आने वाली पुष्पक एक्सप्रेस की स्लीपर में 26 अक्तूबर को रिग्रेट चल रहा है। थर्ड एसी में 143 वेटिंग है। पनवेल गोरखपुर एक्सप्रेस की स्लीपर में 71, थर्ड एसी में 50 वेटिंग, एलटीटी सीतापुर एक्सप्रेस की स्लीपर में 146, थर्ड एसी में रिग्रेट चल रहा है। एलटीटी लखनऊ एक्सप्रेस की थर्ड एसी में 150, एलटीटी गोरखपुर की स्लीपर में 75, थर्ड एसी में रिग्रेट है। इतना ही नहीं एलटीटी गोरखपुर स्पेशल(05326) की स्लीपर में 146, थर्ड एसी में 82 वेटिंग है। मुम्बई स्पेशल(09189) की स्लीपर में 149, थर्ड एसी में 92, मुम्बई गोरखपुर स्पेशल(01079) की स्लीपर में 132 वेटिंग चल रही है। इधर दिल्ली से लखनऊ आने वाली वंदे भारत की चेयरकार में 26 को 118 वेटिंग, तेजस एक्सप्रेस की चेयरकार में 94, शताब्दी एक्सप्रेस की चेयरकार में 147 वेटिंग चल हरी है। ऐसे ही एसी एक्सप्रेस की थर्ड एसी में 115, श्रमजीवी की स्लीपर में 81, लखनऊ मेल की स्लीपर में 96, थर्ड एसी में 76 वेटिंग है। स्पेशल ट्रेनों में भी लम्बी वेटिंग चल रही है।

नंबर 15555 पर लें पीएम सूर्य घर योजना की जानकारी

लखनऊ, संवाददाता। पीएम सूर्य घर योजना के तहत आप घर की छत पर रूफटॉप सिस्टम लगा सकते हैं। इसके लिए सात प्रतिशत ब्याज दर से लोन भी दिया जा रहा है।

योजना में अधिकतम 1,08,000 रुपये तक की सब्सिडी का लाभ भी उठा सकते हैं। मंडलायुक्त ने बताया कि नंबर 15555 पर योजना की जानकारी ली जा सकेगी।

उन्होंने कहा कि सोलर रूफटॉप सिस्टम से बिजली बिलों में 60 प्रतिशत तक कमी लाई जा सकती है।

योजना के लिए एमएनआरई ने यूपी नेडा को स्टेट नोडल एजेंसी घोषित किया है। योजना से जुड़ने के लिए वेबसाइट https://www.pmsuryaghar.gov-in/ पर बिजली खाता संख्या व मोबाइल नंबर भरकर पंजीकरण करवाया जा सकता है।

बिजली उपभोक्ताओं को बढ़ा तोहफा, नहीं बढ़ेंगी बिजली की दरें

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश के उपभोक्ताओं को त्योहार पर तोहफा मिला है। इस वर्ष भी बिजली दरें नहीं बढ़ेंगी। पहले से तय दर पर ही बिजली बिल वसूला जाएगा। उत्तर प्रदेश पहला राज्य हैं, जहां लगातार पांच साल से बिजली दरें नहीं बढ़ी हैं। इतना ही नहीं कनेक्शन जोड़ने और काटने, एसएमएस सहित विभिन्न मदों में बढोतरी का प्रस्ताव भी नियामक आयोग ने खारिज कर दिया है। प्रदेश सरकार ने इस वर्ष 17511 करोड़ की सब्सिडी घोषित की है। अभी तक 13 से 14 हजार करोड़ की सब्सिडी मिलती रही है। प्रदेश के विद्युत वितरण निगमों की ओर से पावर कार्पोरेशन ने विद्युत नियामक आयोग में वार्षिक राजस्व आवश्यकता (एआरआर) वर्ष 2024–25 दाखिल किया था। यह करीब 101784 करोड़ था। प्रदेश की बिजली कंपनियों ने प्रस्तावित गैप 11203 करोड़ बताते हुए बिजल दर बढ़ाने की मांग की। सभी निगमों में सुनवाई हुई। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने उपभोक्ताओं का पक्ष रखते हुए किसी भी स्तर पर बढोतरी का विरोध किया। बृहस्पतिवार को विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार व सदस्य संजय कुमार सिंह ने नई दरों का एलान किया। आयोग ने विद्युत उपभोक्ताओं को त्योहार का तोहफा देते हुए लगातार पांचवीं साल बिजली दरें बढ़ाने से इनकार कर दिया। इतना ही नहीं निगमों की ओर से कनेक्शन काटने से लेकर जोड़ने और विभिन्न तरह से एसएमएस चार्ज को लेकर दिए गए प्रस्ताव को भी खारिज कर दिया है।

नियामक आयोग ने लिए प्रमुख फैसले

स्मार्ट प्रीपेड मीटर पर कनेक्शन जोड़ने व काटने पर 50 रुपया प्रस्तावित शुल्क खारिज। एसएमएस के लिए 10 रुपया शुल्क लेने का प्रस्ताव भी खारिज। तीन किलोवाट के उपभोक्ता भी ले सकते हैं 3 फेज का कनेक्शन। कार्पोरेशन से जुड़े सभी निगमों की सुनवाई के दौरान विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने उपभोक्ताओं का पक्ष रखा। बताया कि निगमों पर उपभोक्ताओं का 33122 करोड़ (सरप्लस) निकल रहा है। उसके एवज में अगले 5 वर्षों तक आठ प्रतिशत बिजली दर कम की जाए। क्योंकि नोएडा पावर कंपनी अपने उपभोक्ताओं को यह छूट दे रही है। हालांकि आयोग ने दरें कम करने पर विचार नहीं किया है। ऐसे में परिषद अध्यक्ष ने आगे लड़ाई जारी रखने का ऐलान किया है। परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि विद्युत नियामक आयोग द्वारा जारी नई बिजली दर का परिषद अध्ययन करेगा। करीब 90 फीसदी प्रस्ताव मान लिए गए हैं। इसके बाद आगे की रणनीति बनाई जाएगी। सरप्लस के मुद्दे पर आयोग में पुनर्विचार जनहित याचिका दाखिल करते हुए बिजली दरों में कमी करने की मांग की जाएगी।

मनमानी तरीके से नहीं बढ़ेंगा लोड

प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं का लोड अब मनमानी तरीके से हर तीन माह की रिपोर्ट के आधार पर नहीं बढाया जा सकेगा। अब यह व्यवस्था दी गई है कि लोड बढ़ाते समय एक साल की रिपोर्ट का अध्ययन किया जाएगा। फिर उसके आधार पर लोड बढाया जाएगा।

लाइन लॉस पर रार

उपभोक्ता परिषद का आरोप है कि आरडीएसएस में वर्ष 2023–24 में लाइन हानियां 10.67 प्रतिशत थी, जिसे वर्ष 2024–25 में 13.09 फीसदी कर दिया गया है। ऐसे में उपभोक्ताओं का निकलने वाले सरप्लस में करीब दो हजार करोड़ का नुकसान हुआ है। इसके खिलाफ भी याचिका लगाई जाएगी।

विभागीय कर्मचारियों एवं अधिकारियों पर कड़ाई

टैरिफ दरें लागू करते हुए नियामक आयोग ने विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर लगाम लगाने की कोशिश की है। नई व्यवस्था में यदि विभागीय अधिकारी व कर्मचारी मीटर नहीं लगाते हैं तो उन्हें जुर्माने के दायरे में लाया जाएगा।

एसपी ने परेड का निरीक्षण किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पुलिस अधीक्षक हरदोई द्वारा पुलिस लाइन के परेड ग्राउन्ड में शुक्रवार परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया गया, पुलिस लाइन परिसर का भ्रमण किया गया, क्वार्टर गार्ड आदि का निरीक्षण कर संबंधित को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।

इस दौरान क्षेत्राधिकारी लाइन, क्षेत्राधिकारी प्रशिक्षु व प्रतिसार निरीक्षक भी मौजूद रहे।

लेफ्टिनेंट कर्नल बीरेंद्र सिंह तोमर ने भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय एवं रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का व्यक्त किया आभार

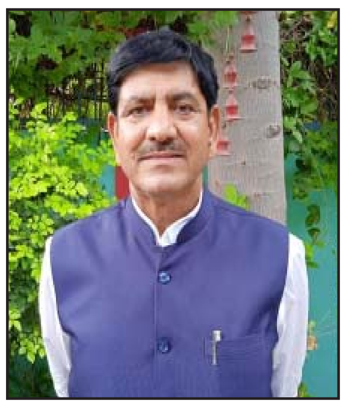

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लेफ्टिनेंट कर्नल बीरेंद्र सिंह तोमर ने भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय एवं रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय का एक ऐतिहासिक निर्णय आया। देश सेवा के लिए सीमा पर अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले इन अधिकारियों ने इस मोर्चे पर भी हार नही मानी और न्याय के लिए लगातार लड़ते रहे। दोनो पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद न्यायालय ने पाया कि इन अधिकारियों के साथ अन्याय हुआ है और रक्षा मंत्रालय की अपील को खारिज करते हुए आदेश दिया कि इन अधिकारियों को 16 दिसंबर 2004 से लेफ्टिनेंट कर्नल के पद पर पदोन्नत करते हुये इन्हें पेंशन और एरियर सहित सभी लाभों का भुगतान माह के भीतर

कर दिया जाय। इस प्रकार लगभग 20 वर्षों के बाद सर्वोच्च न्यायालय के आदेश और रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की सिंह कमेटी की अनुशंशा का लाभ ऐसे सभी 204 अधिकारियों को मिला जो इस पद पर पदोन्नति रखते थे।

विधि महोत्सव–2024 का भव्य समापन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। नोएडा के महर्षि सूचना प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के परिसर में बीते दिनों महर्षि लॉ स्कूल के द्वारा आयोजित महर्षि महेश योगी राष्ट्रीय विधि महोत्सव–2024 का भव्य समापन हुआ। राष्ट्रीय विधि महोत्सव आईसीएसआई द्वारा आईक्यूएसी के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय विधि महोत्सव के अंतिम दिन राष्ट्रीय मूट कोर्ट, अंतराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस, क्लाइंट काउंसलिंग, जजमेंट राइटिंग, लेजिस्लेटिव काउंसलिंग प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित किए गए।

के अंतिम दिन राष्ट्रीय मूट कोर्ट और क्लाइंट काउंसलिंग, जजमेंट राइटिंग, इंटरनेशनल कांफ्रेंस और विधायी प्रारूपण प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित किए गए। इस आयोजन में देश के 50 से अधिक विश्वविद्यालयों और विधि महाविद्यालयों का प्रतिनिधित्व करने वाले 275 से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया. समापन सत्र की शुरुआत गुरु परंपरा की पूजा के साथ हुआ. मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति नवीन सिन्हा के आगमन पर स्वस्ति वाचन किया गया. कुलपति प्रो. डॉ. भानु प्रताप सिंह ने अतिथियों के स्वागत में भाषण दिया. डीन प्रो. डॉ. केबी अस्थाना ने एमयूआईटी और महर्षि लॉ स्कूल के विकास पर एक प्रस्तुति दी. एमयूआईटी के महानिदेशक प्रो. (ग्रुप कैप्टन) ओपी शर्मा ने जस्टिस सिन्हा का स्वागत किया, विशिष्ट अतिथि अश्विनी कुमार दुबे को डीन–अकादमिक डॉ. तृप्ति अग्रवाल ने स्वागत किया. इस राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम के आयोजन का मकसद ऐसा माहौल बनाना जहाँ शोध विद्यार्थी, लॉ संकाय और कानून के विशेषज्ञ, से आपस जुड़ सकें, अवसरों, संभावनाओं पर आपस में जुड़कर चर्चा कर सकें और कानूनी क्षेत्र में विकास के बारे में ज्ञान साझा कर सकें। राष्ट्रीय विधि महोत्सव के आयोजन में लॉ चक्र ने छह प्रायोजकों (ज्यूरिस्ट एंड ज्यूरिस्ट लॉ फर्म, नक्स एंड एसोसिएट्स, एसवी एसोसिएट्स, एसएस राणा लॉ फर्म, महिंद्रा लॉ अकादमी, मनुपात्रा) के साथ मीडिया पार्टनर के रूप में सहभागिता की और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) एवं (आईसीएसआई) प्रायोजक रहे। इस अवसर पर डॉ अमिता राठी, डॉ कामशाद, डॉ विकास, डॉ स्वप्निल, डॉ ऋतु, मि अरुण, मि सुमर, मि केतन, मिस प्रभा, मिस रिया, मिस सौम्या, मिस नीलम, तथा लॉ के सभी विद्यार्थी मौजूद थे।

कई समस्याओ को लेकर महात्मा गांधी वार्ड के लोगो ने किया प्रदर्शन

अयोध्या। रामपथ के किनारे स्थित अवधपुरी फेज–3 मे महात्मा गांधी वार्ड के लोगो ने जल भराव,सडक, बिजली, गंदगी, सहित कई समस्याओ को लेकर प्रदर्शन किया।प्रदर्शन करने वाले लोगो ने बताया दुर्गा पूजा,दशहरा सहित अन्य पर्व के बावजूद इस वार्ड मे यह गंभीर समस्या बनी हुई है।वही इस समय डेंगू जैसे गंभीर बीमारी तेजी फैल रही है।परंतु इस गंभीर समस्या से नगर निगम निजात नही दिला पा रही है।इस मौके पर अमरावती ने बताया कि यह समस्या आज की नही बल्कि लगभग दो वर्ष से बनी हुई है।यहां पर जलभराव हमेशा बना रहता है।

जिसके चलते वहां पर गंदा पानी आसपास के घरो मे व सडको पर बहता है।उन्होने बताया कि जिसके चलते इस गंदे पानी मे वें गिरकर चोटिल हो गई।यहां के स्थानीय निवासी अरविंद कनौजिया ने बताया कि जलभराव के चलते स्थानीय लोगो का अपने अपने घरो से निकलना दूभर हो गया है। उन्होने बताया कि नौवरात्रि व दुर्गा पूजा होने के चलते लोगो को गंदे पानी से होकर जाना पड रहा है।गंदे पानी के चलते इस समय डेंगू जैसे गंभीर बीमारी के फैलने की आशंका हमेशा बनी रहती है।उन्होने बताया कि इस गंभीर समस्या के बारे मे नगर निगम विभाग के उच्चाधिकारियो को बताया गया लेकिन समस्या ज्यो कि त्यो बनी हुई है।प्रदर्शन मे शामिल हरिराम ने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार प्रदर्शन किया।इस मौके पर नगर निगम के उच्चाधिकारियो ने पहुंचकर समस्या दूर करने आश्वासन तो दिया उसके बावजूद आज तक यह समस्या जस की तस बनी हुई है। वही यहां के पार्षद नौशाद आलम भी इस समस्या को लेकर सक्रिय नही दिखाई दे रहे है।वही दुर्गा पूजा, दशहरा, दीपावली पर्व को लेकर नगर निगम विभाग द्वारा स्वच्छता का अभियान सभी वार्डो मे चलाया जा रहा है।परंतु इसका कोई असर नही दिखाई दे रहा है।

बाल रामलीला में लंका दहन का भव्य मंचन

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) श्री बाल रामलीला नाट्य कला मंदिर, चौक, शाहाबाद स्थित रामलीला मैदान में नवें दिवस सुग्रीव मित्रता बालि वध, लंकादहन लीला का मंचन आरती पूजन अर्चन के बाद किया गया। मर्यादा पुरुषोत्तम राम की पूजा अर्चना व आरती विशिष्ट अतिथि भाजपा नेता राजेन्द्र प्रसाद मिश्रा ने मेला कमेटी व अपने सहयोगियों के साथ की। तत्पश्चात वृन्दावन के मेहमान कलाकारों ने सुग्रीव मित्रता, बालि वध और लंका दहन का मंचन किया, मंचन में मेहमान कलाकारों ने अपने अभिनय से दर्शकों को आकर्षित किया। जिसे देखकर दर्शकों की आंखें खुशी से छलक उठीं, बालि वध, लंका दहन होते ही मेला पंडाल श्री राम के जयकारों से गूंज उठा।

लीला मंचन के दौरान स्वर्ण मृग मरीचिका न मिलने पर राम व लक्ष्मण पंचवटी लौटते हैं। सीता मैया को खोजते हुए दोनों भाई भील सबरी के घर पहुंचते हैं, जहां सबरी असीम प्रेम में श्रीराम को जूठे बेर खिलाती है। राम अपने भाई लक्ष्मण के साथ माता सीता को ढूढ़ते हुए किष्किंधा पर्वत पर पहुंचते हैं, जहां हनुमान से भेंट होने के साथ ही सुग्रीव से मित्रता हो जाती है। सुग्रीव से पर्वत पर रहने का कारण पूछकर श्रीराम के कहने पर सुग्रीव ने बाली को युद्ध के लिए ललकारा, सुग्रीव और बाली के बीच जोरदार संवाद और देर तक युद्ध चला, इसके बाद प्रभु राम ने बाली का वध किया। इसके बाद सुग्रीव ने माता सीता की खोज के लिए हनुमान जी को लंका भेजा, लंका पहुंचने पर हनुमान विभीषण के पास जाते हैं, वह उन्हें माता सीता के अशोक वाटिका में रखे जाने की जानकारी देता है। माता सीता से भेंट के दौरान हनुमान उन्हें प्रभु राम की निशानी अंगूठी देते हैं। भूख लगने पर वह सीता की आज्ञा पाकर अशोक वाटिका में जाकर भरपेट फल खाते हैं। जब राक्षस उन्हें रोकते हैं तो वे उनका वध कर देते हैं। रावण का छोटा पुत्र अक्षय कुमार हनुमान के हाथों वीरगति को प्राप्त होता है। रावण क्रोधित होकर हनुमान की पूछ में आग लगाने का आदेश देते है। हनुमानजी अपना पराक्रम दिखाते हुए उसी जलती हुई पूछ से लंका को आग लगाकर दहन कर राम जी के पास आते है।

विशिष्ट अतिथि भाजपा नेता राजेन्द्र मिश्रा ने कहा रामलीला हमारी संस्कृति और परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, यह आयोजन हमें हमारे पूर्वजों की कहानियों से जोड़ता है और हमें अच्छाई और सच्चाई के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने मेला कमेटी और युवा टीम की तारीफ की।

इस आयोजन में नगर के विभिन्न हिस्सों से आए दर्शकों ने भाग लिया और रामलीला के मंचन की सराहना की। इस अवसर पर मेला कमेटी के संस्थापक राजेश बाबू वर्मा, सरंक्षक रमाकांत मिश्रा,अध्यक्ष उमेश गुप्ता, महामंत्री वाशू वर्मा, उपाध्यक्ष भोले त्रिवेदी, संयोजक ज्ञानेन्द्र अवस्थी धीरू, आरती मिश्रा, देवेश अवस्थी, रमेश सैनी, राहुल श्रीवास्तव, मंगू गुप्ता, देवेन्द्र गुप्ता, पुष्कर हैहयवंशी, श्याम जी गुप्ता, दीपक बाजपेयी आदि सहित सैकड़ों की संख्या में दर्शक गण उपस्थित रहे, जिन्होंने लीला को देखकर तालियां बजाकर अपनी प्रतिक्रिया दी, और कलाकारों की भूरि भूरि प्रशंसा की।

त्यौहारों में लॉ एंड आर्डर बनाए रखना मौजूदा थानेदारों के लिए बना बड़ी चुनौती

सुलतानपुर। जिले की ऐतिहासिक दुर्गापूजा महोत्सव को सकुशल संपन्न कराने के लिए लगातार एसपी सोमेन बर्मा ने कमर कसते हुए मातहतो के साथ बैठक के मैराथन की शुरूआत करते हुए पुलिसिंग की जमीनी नब्ज टटोलनी शुरू कर दी है। वही जनपद के थानेदार थानों में पीस कमेटी की बैठक में गंगा–जमुनी तहजीब की घुट्टी पिलाते हुए एंटी शोसल एक्टीविटी में रहने वाले संदिग्धों पर अधिसूचना विभाग नजरें बनाए हुए है, बीते वर्ष देवी प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुए संप्रदायिक तनाव ने लोकल इंटेलिजेंस की पोल खोल कर रख दी थी, लेकिन सूत्रों की मानें तो स्टेट इंटेलिजेंस ने इस दुर्गापूजा महोत्सव का खाका खींच सम्पूर्ण सजदे से शासन को रिपोर्ट कर दिया है जिसके मुताबिक सुरक्षा व्यवस्थाओं को अमलीजामा पहनाया जाना शुरू कर दिया गया है। इन दिनों लगातार जिले में हत्याओं के बदस्तूर सिलसिले ने पुलिसिंग पर सवाल तो खड़े किए लेकिन एसपी सोमेन बर्मा ने डैमेज कंट्रोल को भांपते हुए ऑपरेशन क्लीन एक्टीवेट करते हुए डिएक्टिवेटेड थानेदारों पर कार्रवाई करते हुए घटनाओं के सफल अनावरण में कामयाबी भी पायी। जनपदवासियों के आक्रोश व आरोप के साथ लचर कानून व्यवस्था बनाए रखने वाले थानेदारों पर एसपी का एक्शन अभी जारी है। कूरेभार थाना प्रभारी से शुरू हुई निलंबन की दास्ताँ में देर रात बल्दीराय थाना प्रभारी आरबी सुमन भी निलंबित हो गए। बीते दिनों कूरेभार थाना क्षेत्र में अराजकता बढ़ी हुई थी जिस पर पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा ने 'थाना प्रभारी अमित कुमार मिश्रा' को निलंबित कर दिया। खाली चल रहे थाने का प्रभार सीताकुंड चौकी प्रभारी रहे 'शारदेन्दू दूबे' पर विश्वास जताते हुए कमान सौंप दी, 'बैरहाल शारदेन्दू दूबे की तैनाती के बाद कुरेभार थाने के ग्रह नक्षत्रों में परिवर्तन जरूर नजर आने लगा है चाहे वह एस्ट्रोलॉजिकल ट्रीट हो या फिर अपनी पुलिसिंग के कानूनी कायदे, बैरहाल तैनाती के बाद चोरों के हौंसले पस्त नजर आने लगे हैं ।' वहीं दोस्तपुर थाना क्षेत्र के गोसैसिंहपुर में मंगलवार को व्यापारी की गोली मार हत्या कर दी गई। प्रथम दृष्टया 'मोतिगरपुर थाना प्रभारी तरुण पटेल को निलंबित' कर जिले के कूरेभार सहित अन्य थानों का प्रभार देख चुके साइबर थाने के प्रभारी प्रवीण कुमार यादव को मोतिगरपुर थाने का प्रभार सौंप दिया गया खैर नवमी के पावन पर्व पर वर्ष भर से वनवास काट रहे प्रवीण यादव की ताजपोशी मोतिगरपुर में पुलिसिंग को बेहतर बनाने के लिए कर दी गयी है। वही बल्दीराय थाना क्षेत्र के अशरफपुर में बुधवार की सुबह शौच के लिए गए पूर्व प्रधान प्रत्याशी इच्छा नाथ की गोली मारकर बदमाशो ने हत्या कर दी। 'बल्दीराय थाना प्रभारी आर बी सुमन को भी निलंबित' कर दिया। गोसाईगंज थाना से बंधुआ कला के थाना प्रभारी बनाए गए धीरज कुमार को बल्दीराय की कमान सौंपी गयी है। तो दूसरी तरफ एसपी पीआरओ रहे विजय सिंह को बंधुआ कला थाना प्रभारी बनाया गया हैं, बैरहाल इस ऑपरेशन क्लीन के बाद थानों की पोस्टिंग में जातीय समीकरण को जमकर साधते हुए बैलेंसिंग पोस्टिंग कुछ नए प्रयोग की तरफ भी इशारे करती नजर आ रही है । गौरतलब रहे कि बतौर गोसाईगंज थाना प्रभारी के तैनाती के दरमियान धीरज कुमार के खिलाफ कुछ ग्रामीणों ने तिकोनिया पार्क में धरना प्रदर्शन किया था। नव नियुक्त किए गए सभी थाना प्रभारी एसपी की उम्मीद पर कितना खरा उतरते हैं यह तो आने वाला समय बताएगा। फिलहल मोतिगरपुर थाना प्रभारी प्रवीण कुमार यादव को पांडेय बाबा का मेला संपन्न कराना चुनौती होगा तो बल्दीराय थाना प्रभारी धीरज कुमार को दुर्गापूजा संपन्न कराने के साथ विसर्जन कराना उनके गुड पुलिसिंग की अग्निपरीक्षा से कम नहीं है। बीते वर्ष बल्दीराय थाना क्षेत्र में मूर्ति विसर्जन के दौरान पत्थरबाजी से बड़ी घटना हो गई थी। देखना यह होगा कि एसपी की निलंबन नीति (ऑपरेशन क्लीन) कितनी कारगर होगी यह तो आने वाला समय ही बताएगा। दबी जुबां शहरवासियों की मानें तो एसपी सोमेन बर्मा को यह कदम पहले ही उठा लेना था।

संक्षिप्त खबरें

शादी के बाद मांग रहे थे कार और रुपये, केस

गोरखपुर, संवाददाता। पनिका गांव निवासी सविता पुत्री राम नारायण की शादी संतकबीरनगर बखिरा थाना के बरडाड़ निवासी सोनू राम के साथ पांच जून 2022 को हुई थी। विदाई के बाद कुछ दिन ससुराल में ठीकठाक चला। इसके बाद पति और ससुराल के लोग दहेज के लिए ताना मारने लगे। चार पहिया और एक लाख रुपये मायके से लाने के प्रताड़ित करने लगे। मायके के लोगों को जानकारी हुई उन्होंने असमर्थता जाहिर की। इसके बाद पति और ससुराल के लोगों ने सात मार्च 2023 को घर से निकाल दिया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी पति सोनू राम, ससुर राम तिलक, सास राजमती, ननद अंजनी के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज किया।

खतरे के निशान से नीचे आई सभी नदियां

गोरखपुर, संवाददाता। जिले में बहने वाली सभी प्रमुख नदियां खतरे के निशान से नीचे आ गई हैं। इसके बाद भी बाढ़ प्रभावित गांवों की मुश्किलें कम नहीं हो पाई हैं। पानी भरा होने के कारण वहां अब भी 79 नाव चलाई जा रही हैं। बाढ़ प्रभावित गांवों में आठ हजार राशन किट वितरित किया गया है। लेकिन, उन गांवों में पशुओं के लिए भूसे की समस्या बनी हुई है। प्रभावित गांवों के ग्रामीण चाह रहे हैं कि उन गांवों में भूसे का वितरण कराया जाए। नेपाल की पहाड़ियों पर हुई भारी बारिश की वजह से जिले में बहने वाली सभी प्रमुख नदियों में उफान आ गया था। देखते–देखते सभी नदियां खतरे के निशान को पार कर गईं। बाढ़ प्रभावित गांवों में प्रशासन की तरफ से नाव लगाई गई। इसके अलावा आपदा प्रबंधन कार्यालय की ओर से राशन किट का वितरण किया गया। बुधवार को सरयू नदी खतरे के निशान से 20 सेमी नीचे आ गई, जबकि राप्ती नदी 35 सेमी नीचे बह रही है। गोर्रा 70 सेमी नीचे आ गई है, जबकि रोहिन नदी सवा दो मीटर नीचे पहुंच गई है। उनके लगातार नीचे आने का क्रम जारी है।

टहलने निकली महिला की ट्रेन की चपेट में आकर मौत

गोरखपुर, संवाददाता। सहजनवा कस्बा में किराए का कमरा लेकर रहने वाली एक महिला बुधवार को ट्रेन की चपेट में आ गई। गंभीर रूप से घायल होने पर सीएचसी लाया गया, लेकिन हालत नाजुक होने पर डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक, संतकबीर जनपद के काली कोदवर थाना घनघटा निवासी संतोष कुमार अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ कस्बा के गाहासाड़ में किराए का कमरा लेकर रहते है। मजदूरी करके परिवार का पालन पोषण करते है। परिजनों ने बताया कि बुधवार की सुबह करीब चार बजे संतोष की पत्नी 35 वर्षीया शर्मिला देवी टहलने निकली। देर रात तक वापस नहीं आने पर पति तलाश में रेलवे ट्रैक की तरफ गया।

जायदाद बंटवारे के लिए भाइयों में मारपीट, आठ के खिलाफ केस

गोरखपुर, संवाददाता। इटहिया में मंगलवार दोपहर जायदाद बंटवारे को लेकर दो भाइयों के परिवार आमने–सामने हो गए। इस दौरान मारपीट में दोनों भाइयों का सिर फट गया। गुलरिहा पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर आठ के खिलाफ गाली गलौज, मारपीट, धमकी समेत जानलेवा हमले का केस दर्ज किया है। क्षेत्र के इटहिया निवासी संजय निषाद का आरोप है कि मंगलवार दोपहर एक बजे जमीन जायदाद के बंटवारे के विवाद में उनका सगा भाई रामू निषाद, पिता दुर्विजय, बहन सरोजनी व बहनोई ऋषिमुनि लाठी–डंडे से मारपीट कर सिर फोड़ दिया। पत्नी सरस्वती, झंझारी व देवानंद बीच बचाव करने आए तो इन्हें भी पीटा। वहीं, दूसरे पक्ष से पिता दुर्विजय का आरोप है कि बेटा संजय व उसके रिश्तेदार बालकिशन, दीपू, बलकेश निवासी नरायणपुर टोला मोहम्मदपुर थाना गुलरिहा हिस्सेदारी के विवाद को लेकर मारपीट की। इसमें बेटे रामू का सिर फट गया।

बुखार से पीड़ित बालिका की दवा खाने से बिगड़ी तबीयत, मौत

कुशीनगर, संवाददाता। सेवरही कस्बे बाबू गेंदा सिंह नगर निवासी नौ वर्षीय बालिका बुखार से पीड़ित थी। परिजनों ने बनरहा मुख्य पश्चिमी गंडक नहर के रेगुलेटर के पास स्थित मेडिकल स्टोर से दवा लेकर बालिका को खिला दिया। उसकी तबीयत बिगड़ गई। आनन–फानन में परिजन उसे लेकर सीएचसी पहुंचे, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इधर, बालिका की मौत हो जाने की जानकारी पाकर मेडिकल स्टोर बंद कर दुकानदार फरार हो गया। मेडिकल स्टोर पर पहुंचे परिजनों ने शव रखकर हंगामा खड़ा कर दिया। सूचना पर आई पुलिस ने आक्रोशित परिजनों को समझा–बुझाकर शांत कराया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले में पुलिस जांच में जुट गई है। बाबू गेंदा सिंह नगर निवासी शंभू कुशवाहा की नौ वर्षीय पुत्री दुर्गावती बुधवार को बुखार से पीड़ित हो गई।

नायब तहसीलदार ने पुराना विवाद सुलझाया

कुशीनगर, संवाददाता। तुर्कपट्टी थाना क्षेत्र के नकटहा बसडीला गांव में काफी पुराने मामले का नायब तहसीलदार ने बुधवार को निस्तारित कर दिया। उन्होंने आपसी समझौते के आधार पर मामला सुलझाया। नायब तहसीलदार दुदही कुंदन वर्मा ने राजस्वकर्मियों ने बुधवार को आपसी सहमति के आधार पर निस्तारण कराया।

डीएम विशाल भारद्वाज के प्रथम कार्य दिवस में नकटहा बसडीला निवासी अशर्फी देवी ने एसडीएम न्यायालय से धारा–24 के तहत आदेश होने के बावजूद कार्रवाई नही होने की शिकायत कर भूमि का पैमाइश की गुहार लगाई थी। डीएम ने राजस्व निरीक्षक व लेखपाल को तलब कर मामले की जानकारी ली। इसको गंभीरता से लेते हुए डीएम ने एसडीएम को कार्रवाई का निर्देश दिया। एसडीएम विकास चंद ने नायब तहसीलदार को कार्रवाई के निर्देश दिया। इसके अनुपालन में बुधवार को उन्होंने राजस्व निरीक्षक तुर्कपट्टी अयोध्या प्रसाद, प्रभारी राजस्व निरीक्षक गाजीपुर वेदप्रकाश उपाध्याय, प्रभारी राजस्व निरीक्षक गोडरिया ब्रजेश कुमार गौतम, लेखपाल यशपाल सिंह, विकास कुशवाहा व दीपक गुप्ता के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों से वार्ता कर मामला निस्तारित कराया।

प्रयागराज में यार्ड रिमाडलिंग के चलते 5 ट्रेनों को रास्ता बदलेगा

गोरखपुर, संवाददाता। रेल प्रशासन ने प्रयागराज जं. स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग कार्य एवं रूट रिले इंटरलॉकिंग कार्य के चलते गोरखपुर की पांच ट्रेनों का संचलन प्रभावित रहेगा। दुर्ग से 17 अक्टूबर को चलने वाली 18205 दुर्ग – नौतनवा एक्सप्रेस और नौतनवा से 19 अक्टूबर को 18206 नौतनवा–दुर्ग एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग मानिकपुर–प्रयागराज जं0–प्रयाग–सुल्तानपुर–अयोध्या धाम जं. के स्थान पर परिवर्तित मार्ग मानिकपुर–प्रयागराज छिवकी– वाराणसी– जफराबाद– सुल्तानपुर– अयोध्या धाम जं. के रास्ते चलाई जाएगी। दोनों ट्रेनों का पांच मिनट स्टॉपेज प्रयागराज जं. के स्थान पर प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर दिया जाएगा। इसी प्रकार 18 एवं 20 अक्टूबर को 11055 लोकमान्य तिलक टर्मिनस–गोरखपुर एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग मानिकपुर–प्रयागराज जं0–प्रयाग–जंघई के स्थान पर परिवर्तित मार्ग ओहन–भीमसेन–कानपुर सेंट्रल–उन्नाव–जंघई के रास्ते चलाई जाएगी। गोरखपुर से 18 एवं 20 अक्टूबर को चलने वाली 11056 गोरखपुर–लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग जंघई–प्रयाग–प्रयागराज जं0–मानिकपुर के स्थान परिवर्तित मार्ग जंघई–उन्नाव–कानपुर सेण्ट्रल–भीमसेन–ओहन के रास्ते चलाई जाएगी। 18 एवं 19 अक्टूबर को 12166 गोरखपुर जं.–लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग वाराणसी जं.–प्रयाग–मानिकपुर–इटारसी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग वाराणसी जं.–लखनऊ (उत्तर रेलवे)–कानपुर सेंट्रल–भीमसेन–वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी–बीना–इटारसी के रास्ते चलाई जाएगी।

युवक को पहले सरेराह पीटा, भागने पर ईंट से किया हमला

देवरिया, संवाददाता। शहर के परमार्थी पोखरे पर जा रहे जलकल रोड निवासी एक युवक को कुछ युवक घेर कर मारने–पीटने लगे। इस दौरान हमलावर अपशब्द भी बोल रहे थे। पीड़ित उनके चंगुल से निकल कर भागना चाहा तो हमलावरों ने ईंट पत्थर से हमला कर उसे जमीन पर गिरा दिया। इसके बाद फरार हो गए। इधर इस पूरी वारदात की घटना पास में स्थित सीसीटीवी में कैद हो गई। पीड़ित ने आरोपी के विरुद्ध तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। शहर के जलकल रोड निवासी राजकुमार श्रीवास्तव पुत्र स्व. प्रकाश चंद्र श्रीवास्तव दो अक्टूबर को घर से परमार्थी पोखरे की तरफ दिन के करीब 3 बजकर 15 मिनट पर जा रहा था। इसी दौरान न्यू कालोनी निवासी एक युवक अपने दस से 12 साथियों के साथ राजकुमार को रोक लिया।

अभी वह कुछ समझ पाता इतने में गालियां देते हुए मारने–पिटने लगे। किसी तरह से राजकुमार जान बचाकर उनके चंगुल से निकल कर भाग तो हमलावरों ने ईंट पत्थर से हमला बोल दिया। एक हमलावर ने बड़ी ईंट लेकर राजकुमार को पीछे से मारा, जिससे वह जमीन पर गिर पड़ा। यह देख हमलावर भाग खड़े हुए। मारपीट व हमले की पूरी घटना पास में लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पीड़ित ने फुटेज व तहरीर कोतवाली पुलिस को देते हुए आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की है। कोतवाल दिलीप सिंह ने बताया कि आरोपियों की पहचान की जा रही है। पहचान के बाद कार्रवाई की जाएगी।

अवैध रूप से चल रहे अस्पताल को अधीक्षक ने सील किया

गोरखपुर, संवाददाता। घघसरा नगर पंचायत के वार्ड संख्या–12 जेठू नगर में अवैध रूप से चल रहे नेशनल अस्पताल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाली ठर्रापार के अधीक्षक डॉ. सतीश सिंह ने सील कर दिया। संचालक की ओर से कुछ महीनों से चिकित्सालय चलाया जा रहा था, जहां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ठर्रापार में आए मरीजों को उसके एजेंटों की ओर से सस्ती व गुणवत्तापूर्ण सेवा देने के नाम पर बरगलाया जा रहा था। इसकी शिकायत चिकित्सालय से लेकर जिला मुख्यालय तक लगातार की जा रही थी। सीएमओ के निर्देश पर सीएचसी टीम ठर्रापार ने बुधवार को चिकित्सालय पहुंचकर जांच की। इसमें जिम्मेदार रजिस्ट्रेशन का कोई कागजात नहीं दिखा सके। इतना ही नहीं यहां पर कोई डिग्रीधारी डॉक्टर नहीं था। भर्ती मरीजों का इलाज कर रहे कुछ युवक व लड़कियां टीम को देखते ही वहां से भाग गए। जांच टीम ने चिकित्सालय पर ताला लगाकर उसे सील कर दिया। संचालक को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। इस संबंध में चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सतीश सिंह ने बताया कि बिना रजिस्ट्रेशन अवैध रूप से अस्पताल चलाया जा रहा था। सूचना पर छापे मारी की गई है। संचालक को कागजात के साथ जांच के लिए बुलाया गया है।

चार दरोगा सहित आठ पुलिसकर्मी सस्पेंड

वाराणसी, संवाददाता। श्री काशी विश्वनाथ धाम के गर्भगृह में अरघा पर दो श्रद्धालुओं के गिरने के मामले में गुरुवार को चार दरोगा सहित आठ पुलिसकर्मी निलंबित किए गए हैं। एसीपी सुरक्षा की जांच रिपोर्ट के अनुसार सुरक्षा, निगरानी और भीड़ प्रबंधन के लिए तैनात पुलिस कर्मियों द्वारा ड्यूटी में लापरवाही बरती गई। इसके चलते अचानक अधिक संख्या में दर्शनार्थी गर्भगृह में प्रवेश कर गए और दो श्रद्धालु असंतुलित होकर अरघा पर गिर गए। विश्वनाथ धाम में सात अक्टूबर की रात सप्तर्षि आरती के बाद गर्भगृह में श्रद्धालुओं का रेला उमड़ पड़ा था। एक महिला और एक पुरुष दर्शनार्थी स्पर्श दर्शन करते समय धक्का–मुक्की और भीड़ के दबाव के कारण गर्भगृह में अरघा पर गिर गए थे।

कार्रवाई से मचा हड़कंप

घटना से संबंधित लाइव वीडियो का प्रसारण विश्वनाथ धाम के ऑफिशियल यू–ट्यूब अकाउंट पर भी हुआ था। इस संबंध में डीसीपी सुरक्षा सूर्यकांत त्रिपाठी ने बताया कि प्रकरण की जांच एसीपी सुरक्षा अमित कुमार श्रीवास्तव को सौंप कर रिपोर्ट तलब की गई थी। रिपोर्ट में सामने आया कि ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों द्वारा लापरवाही बरती गई। जांच रिपोर्ट के आधार पर ड्यूटी पर तैनात भेलूपुर थाने के दरोगा सुरेश चंद्र द्विवेदी, मंडुवाडीह थाने के सिपाही भूपेश यादव, चेतगंज थाने की सिपाही वंदना सरोज, चौबेपुर की सिपाही प्रीति और पुलिस लाइन की सिपाही सुनैना निलंबित कर दी गई हैं। इसके अलावा बलिया के दरोगा रमाकांत राय, आजमगढ़ के दरोगा अजीत कुमार सिंह और गाजीपुर के दरोगा दुर्गेश कुमार को निलंबित करने के लिए संबंधित पुलिस अधीक्षक को रिपोर्ट भेज दी गई है। डीसीपी सुरक्षा ने कहा कि भविष्य में ऐसी चूक न होने पाए, इसके लिए सुरक्षा व्यवस्था में तैनात पुलिसकर्मियों की ब्रीफिंग करते हुए उन्हें हिदायत दी गई है।

एमएलसी ने ईडी से की शिकायत, डा. ने टैक्स चोरी कर बनाई अकूत संपत्ति

गोरखपुर, संवाददाता। एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह ने प्रवर्तन निदेशालय को पत्र लिखकर डॉक्टर अनुज के खिलाफ टैक्स चोरी की शिकायत की है और जांच के लिए लिखा है। आरोप लगाया कि डा अनुज द्वारा गोरखपुर के पैडलेगंज में निजी गैस्ट्रो लीवर हॉस्पिटल, का संचालन किया जाता है। जहां मरीजों से मनमानी परामर्श एवं जांच फीस ली जा रही है। प्रतिदिन लाखों रुपए की आमदनी होती है। वर्तमान समय में डॉ एवं उनके पारिवारिक सदस्यों के नाम लगभग 200 करोड़ की अचल सम्पत्तियां हैं। इतनी बड़ी संपत्ति केवल टैक्स चोरी से ही एकत्र करना सम्भव है।

गंभीरता से इनकी परिसम्पत्तियों की जांच की जाए तो बहुत बड़ी काली कमाई उजागर हो सकती है। ऐसे में डा अनुज सरकारी एवं उनके पारिवारिक सदस्यों की अवैध ढंग से एकत्र की गई चल एवं अचल सम्पत्ति की जांच कराने का कष्ट करें। इसके पहले एमएलसी ने डॉक्टर के खिलाफ केस दर्ज करवाने के लिए एडीजी गोरखपुर जोन से मुलाकात की थी। इसके अलावा मंजलीय कारागार पहुंच सिपाही पंकज से मुलाकात भी की थी। पूरी घटना की जानकारी पंकज से ली थी। एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह इन दिनों डॉ और सिपाही के पंकज के मामले में मोर्चा खोल चुके हैं। आरोप है कि डॉक्टर पर हमला करने के आरोप में पंकज पर तो कार्रवाई कर दी गई, लेकिन सिपाही के सिर्फ अल्ट्रासाउंड के दाम को लेकर डॉक्टर से पूछताछ करने पर उसके साथ मार पिटाई की गई। तहरीर और शिकायत के बाद भी पंकज के पक्ष में पुलिस की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं की गई।

सस्ते दाम पर तांबा को सोना बताकर बेचने वाले 12 बदमाशों पर लगा गैंगस्टर

गोरखपुर, संवाददाता। सस्ते दाम में सोने के नाम पर तांबा देकर ठगी करने वाले गिरोह के 12 बदमाशों पर पुलिस ने गैंगस्टर की कार्रवाई की। गिरोह का सरगना समेत 12 आरोपियों को पुलिस ने जनवरी में जेल भेज दिया था। अब उनके खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई की गई है। एसपी सिटी अभिनव त्यागी के मुताबिक, सिद्धार्थनगर के इटवा निवासी घनश्याम दाल के फुटकर कारोबारी हैं। एक दिन उनसे एक महिला मिली और बताया कि उसके पास पीली धातु के कुछ सामान हैं। काम का हो तो उसे खरीद लें। इसके बाद महिला ने एक आरोपी रवि के जरिए घनश्याम को कुछ पीले दाने दिलाए। घनश्याम ने अपने दोस्त स्वर्ण व्यापारी संजय उर्फ पप्पू को दाना दिया तो असली सोना बताया। लालच में दोनों ने रवि से फिर संपर्क किया तो उसने 400 ग्राम सोना छह लाख रुपये में देने की बात कही। घनश्याम ने घर में शादी के लिए रखे तीन लाख रुपये दिए और तीन लाख संजय ने भी। दोनों ने रवि से संपर्क किया तो उसने बताया कि वह मजदूरी करता है। सुबह नौ बजे से पहले मिलेगा या भोजनावकाश के समय एक से दो के बीच। 27 दिसंबर को घनश्याम और संजय, रवि के बुलाने पर गोरखपुर पहुंचे। रेलवे स्टेशन के पास मंदिर में ले जाकर रवि और उसके साथियों ने रुपये का झोला ले लिया और कुछ दाना पकड़ाकर निकल गए। थोड़ी देर बाद घनश्याम और संजय को जालसाजी की जानकारी हुई। पुलिस ने केस दर्ज कर गिरोह का पर्दाफाश किया था।

इनके ऊपर लगा गैंगस्टर

इटावा के बसरेहर निवासी बीरबल राय, आगरा के सिकन्दर थाना क्षेत्र के पश्चिपुरी निवासी हरिपाल, आगरा के जगदीशपुरा थाना क्षेत्र के लगना बोदला निवासी रवि, इटावा के बसरेहर निवासी राजाराम, यहीं के राजू, मधुनगर निवासी किशोर, गाजियाबाद के लालकुआ इलाके के शंकर विहार कॉलोनी निवासी कन्हैया परमार, गाजियाबाद के रेलवे स्टेशन गली नंबर एक निवासी हीरालाल, इटावा बहादुरपुर निवासी गोविंद राय, आगरा के पश्चिमपुरी निवासी जमुना देवी, ममता पत्नी रवि, गाजियाबाद के लालकुआ इलाके की रहने वाली चौथी देवी को आरोपी बनाया गया है।

महाकुंभ के लिए रेलवे पहली बार जारी करेगा टोल फ्री नंबर, ट्रेनों व मेले से संबंधित मिलेगी जानकारी

प्रयागराज, संवाददाता। अगले वर्ष की शुरुआत में लगने वाले महाकुंभ की तैयारियों को रेलवे ने अंतिम रूप दे दिया है। कुंभ के मौके पर उत्तर मध्य रेलवे का प्रयागराज मंडल पहली बार टोल फ्री नंबर जारी करने जा रहा है। यह नंबर 18004199139 रहेगा। एक नवंबर 2024 से यह नंबर एक्टिवेट हो जाएगा। वृहस्पतिवार को मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) कार्यालय में डीआरएम हिमांशु बडोनी ने बताया कि इस टोल फ्री नंबर के माध्यम से देश के विभिन्न राज्यों के श्रद्धालुओं को महाकुंभ से जुड़ीं तमाम सुविधाएं, स्पेशल ट्रेनों की जानकारी, प्रयागराज और आसपास जनपदों के दर्शनीय स्थल आदि के बारे में जानकारी मिल जाएगी। डीआरएम ने बताया कि यह टोल फ्री नंबर 24 घंटे काम करेगा। इसके लिए एक टीम का गठन किया गया है। टोल फ्री नंबर पर हिंदी और अंग्रेजी समेत कुल 10 भाषाओं में संवाद किया जाएगा। इसके अलावा महाकुंभ को लेकर प्रयागराज जंक्शन के बाद अब प्रयागराज छिवकी पर भी मे आई हेल्प यू, काउंटर खोला जा रहा है। इसके माध्यम से यात्री प्रयागराज के होटल, अतिथि गृह, कैब की बुकिंग आदि सुविधाओं का लाभ ले सकेंगे।

महाकुंभ के पहले प्रयागराज को मिलेगा 21 पुल

डीआरएम ने बताया कि चौफटका से सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन के ऊपर से निकलने वाला रेल ओवरब्रिज का निर्माण 15 दिसंबर तक हो जाएगा। यह पहला मौका है जब कुंभ के पहले प्रयागराज को 21 रेलवे ओवर ब्रिज, रेल अंडर ब्रिज की सौगात मिलने जा रही है। कुछ पुल इस माह तो अगले माह शुरू हो जाएंगे। महाकुंभ के दौरान प्रमुख स्नान पर्व के मौके पर यात्रियों का क्रॉस मूवमेंट न हो इसके लिए आने और जाने का रास्ता अलग–अलग रखा जा रहा है। स्नान पर्व के मौके पर सभी स्टेशनों की वाहन पार्किंग बंद रहेगी। इसके अलावा पार्सल सेवा भी स्नान पर्वों पर बंद रहेगा। प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज छिवकी आदि स्टेशनों पर लगे एस्केलेटर भी स्नान पर्वों पर बंद रहेंगे।

डिजिटल तकनीक से वाराणसी के गांवों पर रखी जा रही नजर

वाराणसी, संवाददाता। बदलते दौर में आजकल डिजिटल को माध्यम बनाकर व्यवस्था को संचालित किया जा रहा है। वाराणसी के गांवों में काम करने वाले कर्मचारियों की उपस्थिति की चेकिंग के लिए विकास भवन में रूरल कमांड सेंटर की व्यवस्था की गई है। इस कमांड सेंटर के माध्यम से ग्रामीण व्यवस्था पर नजर रखी जा रही है। सेंटर के माध्यम से लाभार्थियों का फीडबैक, उनके चयन आदि कार्य किए जा रहे हैं। बुलावा अभियान के ग्राफ को 49 से बढ़ाकर 79 प्रतिशत किया गया। इसी प्रकार निपुणता का प्रतिशत 66 से बढ़ाकर 82 प्रतिशत किया गया। 212 सूखे तालाबों को भरवाया गया। 173 में से 124 नलकूपों को क्रियाशील किया गया। इसके अलावा 67 ड्रेन की सफाई कराई गई। 7205 शौचालयों का सत्यापन किया गया। गैरहाजिर 17 सचिवों और 21 सफाई कर्मचारियों पर कार्रवाई की गई। सोकपिट को 3166 से बढ़ाकर 17972 किया गया। यह सेंटर शिकायत प्रकोष्ठ के रूप में भी काम करता है।

नैक टीम ने विद्यापीठ को सौंपी रिपोर्ट, नौ घंटे चला मूल्यांकन

वाराणसी, संवाददाता। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में नैक का मूल्यांकन पूरा हो गया। देर रात नैक टीम ने कुलपति प्रो. एके त्यागी को बंद लिफाफे में रिपोर्ट सौंप दी। नैक टीम ने 11 घंटे में मूल्यांकन और रिपोर्ट तैयार की। सुबह नौ बजे से लेकर शाम पांच बजे तक निरीक्षण चला। शाम 6 बजे के बाद नैक टीम की एग्जिट बैठक में रिपोर्ट बनाई। टीम ने बैठक में कहा कि विश्वविद्यालय में शोध के स्तर को बढ़ाया जाना चाहिए।

ऐतिहासिक संस्थान होने के नाते यहां के पूर्व छात्रों को भी जोड़ा जाना चाहिए। वहीं, विवि में मूलभूत सुविधाओं को बढ़ाना चाहिए। अगले सप्ताह तक ग्रेडिंग जारी कर दी जाएगी। यहां आकर हम धन्य हो गए: तीसरे दिन टीम ने सबसे पहले भारत माता मंदिर और ललित कला विभाग का निरीक्षण किया। चेयरमैन प्रो. राधेश्याम शर्मा ने कहा कि भारत माता मंदिर काशी विद्यापीठ की अतुलनीय धरोहर है। यहां आकर हम धन्य हो गए। इसके बाद टीम ललित कला विभाग पहुंची। यहां लगी प्रदर्शनी देखी। अंत में मूल्यांकन की रिपोर्ट तैयार की गई। इसके बाद नैक पीयर टीम एग्जिट बैठक हुई। टीम ने कुलपति को रिपोर्ट सौंपी और विश्वविद्यालय से रवाना हुई। नैक टीम में ये सदस्य रहे मौजूदः तीसरे दिन चेयरमैन प्रो. राधे श्याम शर्मा के नेतृत्व में प्रो. जय प्रकाश त्रिवेदी, डॉ. लाल नुंडांगा, प्रो. राम कृष्णा सीलम, प्रो. सीमा मलिक, प्रो. विजय सिंह मिपुन और प्रो. एमएस देशमुख शामिल रहे।

नकल रोकने के लिए यूपी बोर्ड में हो सकता एआई का प्रयोग, कंट्रोल रूम से होगी निगरानी

प्रयागराज, संवाददाता। यूपी बोर्ड की परीक्षा में नकल रोकने के लिए इस बार एआई का प्रयोग हो सकता है। इसको लेकर तैयारी चल रही है। एआई के जरिये कंट्रोल रूम से परीक्षा की निगरानी होगी और नकल करने वाले पकड़े जाएंगे। हाल ही में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का प्रयोग करते हुए कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) ने परीक्षा से पहले 400 सॉल्वर पकड़े हैं। एसएससी ने उन सॉल्वरों का प्रवेश पत्र ही जारी नहीं किया था। इससे बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़े पर रोक लगी। ऐसे ही अन्य परीक्षाओं में एआई के प्रयोग को लेकर अधिकारी सक्रिय हो गए हैं।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।